बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 221 | रविवार 01 दिसंबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

महज राष्ट्रीय मुद्दों के भरोसे किसी चुनाव को नहीं जीता जा सकता

–खड़गे ने स्टेट पार्टी यूनिट के जरिए राहुल गांधी को दिया मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक में कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्टेट पार्टी यूनिट को साफ कहा कि महज राष्ट्रीय नेता और राष्ट्रीय मुद्दों के भरोसे किसी चुनाव को नहीं जीता जा सकता है। इसके लिए जमीनी स्तर पर नेताओं को लोकल मुद्दों पर काम करना होगा। कांग्रेस पार्टी हरियाणा में जीत की बड़ी दावेदार होने के बावजूद भी चुनाव हार गई। महाराष्ट्र भी कांग्रेस समर्थित महाविकास अघाड़ी को हार का सामना करना पड़ा। खड़गे यह बात तो स्टेट पार्टी यूनिट से कर रहे थे लेकिन इसमें राहुल गांधी के लिए भी एक बड़ा मैसेज छुपा था।

लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन के बाद से राहुल फ्रंटफुट पर आ गए थे और राज्य चुनावों को लीड कर रहे थे। संविधान बचाओ और जातिगत जनगणना को तब बड़ा मुद्दा बनाया गया था। कांग्रेस को इसका फायदा मिला भी लेकिन चाहे हरियाणा, महाराष्ट्र हो या फिर जम्मू-कश्मीर और झारखंड, इन्हीं मुद्दों को फिर से बीजेपी को घेरने में लगी कांग्रेस को फायदा नहीं हुआ।

बीजेपी ने पिछली गलती से सीख लेते हुए होमवर्क कर राज्य चुनावों में उतरी। वहीं, कांग्रेस राहुल गांधी और राष्ट्रीय मुद्दों के भरोसे लोकल चुनाव जीतने की जुगत में लगी रही। बीजेपी बार-बार राज्यों में हार को राहुल गांधी की हार के तौर पर प्रोजेक्ट करती रही है। उधर राहुल गांधी के लिए भी एक साफ संदेश है कि उन्हें राज्यों के लिए अलग रणनीति के साथ चुनाव में उतरना होगा।

हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार से आहत खड़गे ने कहा कि पार्टी को विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय मुद्दों के अलावा राज्य स्तर के मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा और लोगों के मूड को बदलना सीखना होगा। पार्टी राज्य चुनाव लड़ने के लिए कब तक राष्ट्रीय मुद्दों और राष्ट्रीय नेताओं पर निर्भर रहेगी। राज्य के मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हरियाणा में पार्टी के लिए सबसे बड़ी निराशा वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा के बीच की अंदरूनी कलह बताई जाती है।

खड़गे ने कहा कि हम चुनाव हार गए हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता बड़े मुद्दे हैं। जाति जनगणना भी आज एक मुद्दा है। संविधान, सामाजिक न्याय और सद्भाव जैसे मुद्दे लोगों के मुद्दे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम चुनावी राज्यों में स्थानीय मुद्दों को भूल जाएं। राज्यों के कई मुद्दों को समय रहते विस्तार से समझना और उनके इर्द-गिर्द एक ठोस अभियान रणनीति बनाना भी है। आप राष्ट्रीय मुद्दों और राष्ट्रीय नेताओं की मदद से राज्य के चुनाव कब तक लड़ेंगे?

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करे।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं.:–9911733939

[सुविचार]

इस दुनिया में असंभव कुछ भी नही,
हम वो सब कर सकते है, जो हम सोच सकते है।

संक्षिप्त समाचार

कैंट रेलवे स्टेशन की पार्किंग में लगी आग, 200 बाइक जलकर खाक

–बड़ा हादसा टला, शॉर्ट सर्किट मानी जा रही वजह, पुलिस जांच में जुटी

वाराणसी। वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन पर अचानक भीषण आग लग गई। जिसकी चपेट में आने से 200 बाइकें जलकर खाक हो गई। आग उस क्षेत्र में लगी, जहां रेलवे कर्मचारी अपने वाहन पार्क करते हैं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और जीआरपी-आरपीएफ ने आग पर काबू कर लिया जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के मुताबिक रेलवे स्टेशन पर खड़ी करीब 200 बाइक आग में जलकर खाक हो गई। घटना वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर स्थित जीआरपी के पीछे बने रेलवे के बाइक स्टैंड की है, जहां रेलवे कर्मचारी अपने वाहन खड़ा करते हैं। रेलवे पुलिस ने कुछ बाइक्स को जलने से बचा लिया। प्रत्याशिदर्शी रेलवे कर्मचारियों ने बताया कि रात करीब 10-30 बजे शॉर्ट सर्किट हुई थी, जिसे बनाने के लिए बिजली कर्मचारी आए भी थे, लेकिन फिर कुछ घंटे बाद दोबारा शॉर्ट सर्किट हो गई। इस कारण पेट्रोल भरी बाइक तक चिंगारी पहुंच गई और आग भड़क गई। अगर स्टेशन पर रेलवे का फायर सेक्शन होता तो यह घटना नहीं होती और घटना में बिजली विभाग की भी लापरवाही सामने आई है। वहीं, दूसरी तरफ जीआरपी के क्षेत्राधिकारी ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से करीब 200 बाइक जल गई है। घटना के पीछे फिलहाल कारण शॉर्ट सर्किट समझ में आ रहा है। आगे की जांच की जा रही है।

आतंकवादियों से कथित संबंध, जम्मू कश्मीर में दो सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दो सरकारी कर्मचारियों को आतंकवादियों से कथित संबंधों के कारण सेवा से बर्खास्त किया है। अधिकारियों के मुताबिक, इन कर्मचारियों की पहचान स्वास्थ्य विभाग के फार्मासिस्ट अब्दुल रहमान नाइका और स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक जहीर अब्बास के रूप में हुई है। राज्यभवन के अधिकारियों ने बताया कि इन दोनों को संविधान के अनुच्छेद 311 (2)(सी) के तहत बर्खास्त किया गया, जो कि एक विशेष प्रावधान है, जो राज्य के कर्मचारियों को उनके अपराधों के आधार पर सेवा से निष्कासित करने की अनुमति देता है। खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई जांच में इन दोनों के आतंकवाद से जुड़े संबंध स्पष्ट रूप से सामने आए थे। उपराज्यपाल सिन्हा ने पिछले कुछ वर्षों में इसी प्रावधान के तहत कई कर्मचारियों को बर्खास्त करने के आदेश दिए हैं।

महाकुंभ 2025 : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आस्था की नगरी में दिखेगा गौरव

– किन्नर अखाड़े ने किया गंगा तट पर भूमि पूजन

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश में भारतीय संस्कृति और आस्था के महापर्व महाकुंभ 2025 की तैयारियां चारों ओर दिख रही हैं। शुक्रवार को गंगा नदी के किनारे स्थित लोकप्रिय किन्नर अखाड़े महाकुंभ के लिए भूमि पूजन किया, जिससे साफ हो गया कि इस बार के कुंभ का तत्परता से आयोजन किया जा रहा है। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी ने कहा ?कि किन्नर अखाड़े की ओर से इस बार कुंभ का आयोजन एक नई धारा लेकर किया जा रहा है - प्लास्टिक-मुक्त कुंभ हम इस संकल्प के साथ काम कर रहे हैं कि भारत को स्वच्छता का प्रतीक बनाने में मदद मिले। महामंडलेश्वर आनंद गिरी ने बताया ?कि किन्नर अखाड़े को इस बार सबसे महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जिससे हमारा कुंभ प्रयागराज में और भी दिव्य और भव्य बनेगा। इस बार कि साज़ी-सजावट और समारोहों की प्रक्रिया बनाए रखने के लिए हम पत्तल का उपयोग करेंगे, जिससे पर्यावरण का भी ध्यान रखा जा सके। किन्नर अखाड़े में विदेशी और देशी किन्नरों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर, और अन्य एलजीबीटी व्यक्ति भी इस बार किन्नर अखाड़े के पवित्र क्षेत्र में शामिल होंगे। जिससे इस क्षेत्र को एक नया पहलू मिलेगा। किन्नर अखाड़े के संतों ने उठाई पत्तल से प्लास्टिक-मुक्त कुंभ की मुहिम, जिससे दिखा समाज में जागरूकता और हमारे पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में भारी महत्व दिया गया है। 13 जनवरी से प्रारंभ होने वाले कुंभ के संगीत, कार्यक्रम और पूजन की पूरी तैयारी भी चर्चित है। किन्नर अखाड़े ने जोरदार तैयारियों के साथ निरंतर भव्यता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए दिखाया कि महाकुंभ 2025 उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक अविस्मरणीय अनुभव होने वाला है।

भारत में बांग्लादेश का सबसे बड़ा घुसपैठिया अडानी है : संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने फिर केंद्र सरकार और कारोबारी गौतम अडानी पर निशाना साधा है। आप सांसद सिंह ने अडानी को लेकर विवादित टिप्पणी की है। संजय सिंह ने कहा, भारत में बांग्लादेश का सबसे बड़ा घुसपैठिया गौतम अडानी है। आप नेता सिंह ने कहा भारत में बांग्लादेश का सबसे बड़ा घुसपैठिया कोई है तब वह अडानी है। वह हिंदुस्तानियों की बिजली बांग्लादेशियों को बेच रहा है। बांग्लादेश से लगती हुई सीमा की सुरक्षा केंद्र सरकार के हवाले है, तब कोई बांग्लादेशी दिल्ली तक कैसे आया और कोई आया भी है, तब केंद्र उस बाहर क्यों नहीं निकाल रही है? सिंह ने मोदी सरकार पर हमला कर कहा कि बीजेपी अब भारतीय झूठा और झगड़ा पार्टी बन चुकी है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था और अपराध के खिलाफ आवाज उठा रहे, बीजेपी और अमित शाह अपराध को रोकने की बजाय केजरीवाल को रोकने का प्रयास कर रहे है। सिंह का यह बयान केंद्र सरकार की नीतियों और अडानी समूह के कारोबार को लेकर आलोचना के रूप में आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश को बिजली सप्लाई के नाम पर अडानी समूह भारत के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहा है।

ग्रेप-4 के अंतर्गत पारित आदेशों का अनुपालन कड़ाई से करवाया जाएंः मा0 सदस्य / न्यायाधीश महोदय डॉ.अफरोज अहमद

जनपद में वायु गुणवत्ता के सुधार हेतु सम्बंधित विभाग अधिक से अधिक प्रयास करें: मा० सदस्य / न्यायाधीश महोदय डॉ.अफरोज अहमद

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। मा० सदस्य / न्यायाधीश महोदय डॉ.अफरोज अहमद, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन० जी०टी०) प्रिन्सिपल बेंच नई दिल्ली द्वारा अपने शासकीय कार्यों के सम्बन्ध मे जनपद गाजियाबाद का भ्रमण किया गया। उनकी अध्यक्षता में गंगा गेस्ट हॉउस, सिद्धार्थ विहार, गाजियाबाद में जिला पर्यावरण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी गाजियाबाद, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग गाजियाबाद, नगर आयुक्त नगर निगम, जीडीए सचिव, मुख्य विकास अधिकारी, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध और जिला पर्यावरण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति के नामित सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में जिला पर्यावरण समिति से सम्बंधित एजेण्डा बिन्दुओं पर चर्चा के दौरान जनपद गाजियाबाद में ग्रेप-4 के सम्बन्ध में क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अवगत कराया गया कि ग्रेप-4 के अंतर्गत पारित आदेशों का अनुपालन कड़ाई से करवाया जा रहा है। बैठक में जिला पर्यावरण परियोजना (डिस्ट्रिक्ट एनवायरनमेंट प्लान) के बारे में चर्चा के दौरान अध्यक्ष महोदय को अवगत कराया गया कि डिस्ट्रिक्ट एनवायरनमेंट प्लान upecp.nic.in के पोर्टल पर पूर्व में अपलोड किया जा चुका है। नगर आयुक्त महोदय द्वारा मा० सदस्य / न्यायाधीश महोदय डॉ.अफरोज अहमद को जनपद में वायु गुणवत्ता के सुधार के सम्बन्ध में जनपद गाजियाबाद में नगर निगम के स्तर से किये जा रहे प्रयासों के ब्यौरे से सम्बंधित एक ड्राफ्ट सौपा गया। बैठक के दौरान एसटीपी की जानकारी मांगी गयी जिसके क्रम में अवगत कराया गया कि जनपद गाजियाबाद में कुल 10 एसटीपी ऑपरेशनल हैं। जिला गंगा समिति के सन्दर्भ में चर्चा करते हुए जिला परियोजना अधिकारी, जिला गंगा समिति द्वारा अध्यक्ष महोदय को जिला गंगा योजना के बारे में अवगत कराया गया एवं भारतीय लोक प्रशासन संसथान नई दिल्ली में जिला गंगा योजना हेतु आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताते हुए उसके प्रमुख बिंदुओं जैसे जिला गंगा योजना के निर्माण में शामिल किये जाने वाली अंशधारकों एवं उनकी भूमिका से अवगत कराया तथा जिसके पश्चात गंगा एक्शन प्लान पर कार्यवाही की जा रही है। बैठक में अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देश दिए गए कि पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान वर्ष 2024-25 में कराये गए पौधरोपण की जीवितता मानक के अनुसार बनायी रखी जाये। चर्चा के पश्चात अध्यक्ष महोदय द्वारा परिसर में स्थापित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भ्रमण किया गया।

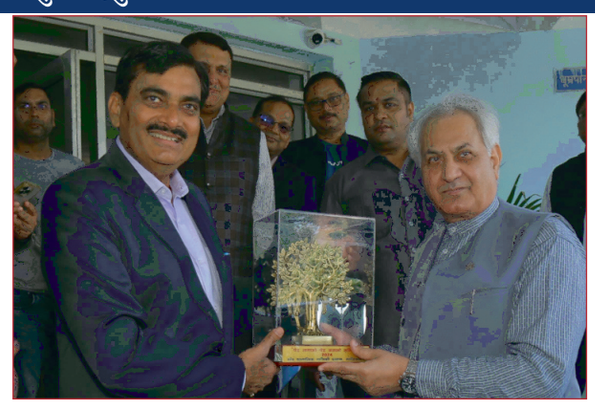

चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस नेता की विवादित टिप्पणी, कुत्ता भी वफादार होता

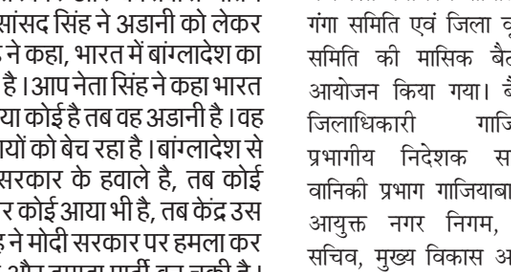

पटना (एजेंसी)। बिहार में कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने चुनाव आयोग को लेकर विवादित टिप्पणी की है। कांग्रेस नेता राठौड़ ने कहा है कि कुत्ता भी वफादार होता, भाई जगताप के ऐसा कहने से कुत्ते की बेइज्जती हो रही है। राजेश राठौड़ ने कहा, भाई जगताप के इस आरोप से कुत्ते की बेइज्जती हो जाएगी। उन्हें शब्दों के चयन में धोखा हो गया होगा। कुत्ता भी कुछ समझ कर काम करता है, हमें लगता है कि उनके बयान से कुत्ते जैसे वफादार पशु का अपमान हो रहा है।

दरअसल महाराष्ट्र के विधान परिषद सदस्य भाई जगताप ने चुनाव आयोग को लेकर विवादित टिप्पणी करते हुए आयोग की तुलना कुत्ते से की थी। इस पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी के नेता इस असंसदीय भाषा करार देकर उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता राठौड़ ने इसकी अलग अंदाज में व्याख्या कर रहे हैं।

दरअसल भाई जगताप ने चुनाव आयोग पर विवादित टिप्पणी में कहा था, मैंने 45 से अधिक साल राजनीति में बिताए हैं और महाराष्ट्र में इस तरह के नतीजे नहीं आए हैं। इन्होंने ऐसा कुछ काम नहीं किया है। मैं पहले से कहता आया हूं कि आज नहीं तब कल इस पर बातचीत होनी चाहिए। कांग्रेस ने मांग की है चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएं। हमारा लोकतंत्र विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र है। उस लोकतंत्र पर कोई सवाल उठाता है, तब इसका जवाब चुनाव आयोग और सरकार को देना चाहिए। चुनाव आयोग तो कुत्ता है। कुत्ता बनकर नरेंद्र मोदी जी के बंगले के बाहर बैठता है। उन्होंने ईवीएम को लेकर उठ रहे सवालों पर कहा था, मैंने ये नहीं कहा कि ईवीएम हैक किया गया। मैं कह रहा हूं कि ईवीएम सेट और टेंपर किया गया है। दोनों शब्द अलग-अलग है। ये कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। इन्होंने सबसे पहली कोशिश मध्य प्रदेश में की।

आरएसएस ने की हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को बंद करने की अपील

–होसबोले ने कहा–बांग्लादेश सरकार और अन्य एजेंसियां बनी हैं मूकदर्शक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिन्मय कृष्ण दास की बांग्लादेश में गिरफ्तारी को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कड़ी आपत्ति जताई है। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने शनिवार को वक्तव्य जारी कर कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को बंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस समय में भारत और वैश्विक समुदाय एवं संस्थाओं को बांग्लादेश के पीड़ितों के साथ खड़े होकर अपना समर्थन प्रकट करना चाहिए और अपनी-अपनी सरकारों से हरसंभव प्रयासों की मांग करना विश्व शांति और भाईचारे के लिए जरुरी है। उन्होंने कहा कि इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को अन्यायपूर्ण कारावास से मुक्त करें। बांग्लादेश में हिन्दुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट, आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंत चिंताजनक हैं और आरएसएस इसकी भर्त्सना करता है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि वर्तमान बांग्लादेश सरकार और अन्य एजेंसियां इसे रोकने की जगह मूकदर्शक बनी हैं। बांग्लादेश के हिंदुओं द्वारा स्वरक्षण हेतु लोकतांत्रिक पद्धति से उठाई गई आवाज को दबाने के लिए उन पर अन्याय और अत्याचार का नया दौर उभरता दिख रहा है। ऐसे ही हिन्दुओं का नेतृत्व कर रहे चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश सरकार द्वारा कारावास भेजना अन्यायपूर्ण है। आरएसएस भारत सरकार से यह आह्वान करता है कि वह बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के प्रयासों को हरसंभव जारी रखे तथा इसके समर्थन में वैश्विक अभिमत बनाने के लिए यथाशीघ्र आवश्यक कदम उठाएं। विश्व हिंदू परिषद का मानना है कि विश्व समुदाय इन सब घटनाओं को संज्ञान में ले और बांग्लादेश पर अत्याचार रोकने का दबाव बनाए। विहिप ने कहा कि हम चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की रिहाई की मांग करते हैं और बांग्लादेश सरकार से किसी भी हिंदू नेता, हिंदू पुजारी या धार्मिक गुरु को बिना किसी कारण के गिरफ्तार करने की मानसिकता से बचने की अपेक्षा करते हैं।

भोपाल गैस त्रासदी: गंभीर रूप से बीमार लोगों को अधिक मुआवजे के लिए शीर्ष अदालत में याचिका दायर

भोपाल(एजेंसी)। दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक आपदा भोपाल गैस त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए काम करने वाले चार संगठनों ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कैंसर और किडनी विकारों से ग्रस्त पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है। दो और तीन दिसंबर 1984 की मध्य रात्रि में भोपाल के यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस के रिसाव के बाद कुल 5,479 लोग मारे गए थे और पांच लाख से अधिक लोग शारीरिक रूप से प्रभावित हुए थे।

'भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन' की रचना ढींगरा ने यहां संवाददाताओं से कहा, पीड़ितों को दिए गए मुआवजे में हुए अन्याय को दूर करने के लिए दो दिन पहले याचिका दायर की गई है। हमें उम्मीद है कि इस पर तीन दिसंबर को सुनवाई होगी, जो भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं वर्षगांठ है। उन्होंने कहा कि याचिका में कैंसर और किडनी की बीमारियों से पीड़ित उन लोगों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग की गई है, जिनके स्वास्थ्य को गैस के संपर्क में आने से हुए नुकसान को गलत तरीके से अस्थायी श्रेणी में रखा गया है। ढींगरा ने आरोप लगाया, यूनियन कार्बाइड के अपने दस्तावेजों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 'मिथाइल आइसोसाइनेट' के संपर्क में आने से स्वास्थ्य को होने वाली क्षति स्थायी प्रकृति की है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आधिकारिक एजेंसी ने मुआवजे के 93 प्रतिशत दावों को अस्थायी क्षति के तौर पर माना और गैस पीड़ितों को अपर्याप्त मुआवजा मिलने के पीछे यही मुख्य कारण है। सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत दायर आवेदनों के माध्यम से प्राप्त जानकारी साझा करते हुए, भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संगठन की अध्यक्ष रशीदा बी ने कहा, आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, कैंसर से ग्रस्त 11,278 पीड़ितों में से 90 प्रतिशत और घातक किडनी रोगों से ग्रस्त 1,855 पीड़ितों में से 91 प्रतिशत को अनुग्रह राशि के अलावा मुआवजे के रूप में केवल 25,000 रुपये मिले हैं।' भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के बालकृष्ण नामदेव ने दावा किया कि उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डॉ. एस. मुरलीधर ने शीर्ष न्यायालय में चारों गैर सरकारी संगठनों की याचिका प्रस्तुत करने पर सहमति व्यक्त की है। भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने 1991 और 2023 के उच्चतम न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए दावा किया कि शीर्ष अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को मुआवजे में किसी भी तरह की कमी को केंद्र सरकार द्वारा पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कमी के स्पष्ट मामले को सुधारने के लिए कैंसर और घातक किडनी रोगों से पीड़ित जीवित लोगों के लिए कम से कम पांच लाख रुपये के अतिरिक्त मुआवजे के लिए हमने याचिका दायर की है।

एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व से उत्पन्न चुनौतियां

प्रियंका सौरभ

एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ क्षेत्रीय विवाद और विस्तारवाद हैं। एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व से उत्पन्न चुनौतियाँ दक्षिण चीन सागर और भारत-चीन सीमा पर चीन के क्षेत्रीय दावे क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती देते हैं, जिससे अक्सर सैन्य टकराव होते रहते हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन के नाइन-डैश लाइन के दावे के कारण कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ विवाद पैदा हो गया है, जिससे नेविगेशन की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय शांति कमजोर हो गई है।

एशिया में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभुत्व ने क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य को काफी बदल दिया है, जिससे उसके पड़ोसियों में चिंता पैदा हो गई है। उन्नत सैन्य क्षमताओं, रणनीतिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और मुखर क्षेत्रीय दावों के साथ, चीन ने पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाया है। इसने क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं, जिससे भारत जैसे देशों को अपने हितों की रक्षा करने और शांति बनाए रखने के लिए रणनीतिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ क्षेत्रीय विवाद और विस्तारवाद हैं। एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व से उत्पन्न चुनौतियाँ दक्षिण चीन सागर और भारत-चीन सीमा पर चीन के क्षेत्रीय दावे क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती देते हैं, जिससे अक्सर सैन्य टकराव होते रहते हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन के नाइन-डैश लाइन के दावे के कारण कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ विवाद पैदा हो गया है, जिससे नेविगेशन की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय शांति कमजोर हो गई है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) ने प्रमुख क्षेत्रों में सैन्य संपत्तियों के निर्माण की अनुमति दी है, जिससे पड़ोसी देशों के पास उसकी सैन्य उपस्थिति बढ़ गई है। जिबूती में एक सैन्य अड्डे और श्रीलंका और पाकिस्तान में रणनीतिक बंदरगाहों के निर्माण से हिंद महासागर क्षेत्र में चीन का प्रभाव बढ़ता है, जिससे भारत की सुरक्षा चिंताएँ प्रभावित होती हैं। चीन का नौसैनिक विस्तार और सैन्य आधुनिकीकरण इंडो-पैसिफिक में शक्ति संतुलन के लिए सीधी चुनौती है, जहाँ जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसे देश चिंतित हैं।

इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति और ताइवान स्ट्रेट और मलक्का स्ट्रेट के पास लगातार सैन्य अभ्यास ने क्षेत्रीय सुरक्षा के बारे में चिंता बढ़ा दी है। चीन की सैन्य ताकत अक्सर उसके आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ चलती है, जिसका उपयोग वह क्षेत्रीय प्रभुत्व को सुरक्षित करने और छोटे देशों की रणनीतिक स्वायत्तता को सीमित करने के लिए करता है। श्रीलंका में चीन की ऋण-जाल कूटनीति, हिंद महासागर में इसकी सैन्य उपस्थिति के साथ मिलकर, इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे आर्थिक निर्भरता सैन्य उत्तोलन में तब्दील हो सकती है। चीन का सैन्य निर्माण उसके पड़ोसियों के लिए एक निवारक के रूप में कार्य करता है, जिससे वे चीनी आक्रामकता का

सामना करने में झिझकते हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा को बाधित कर सकता है। भारत और चीन के बीच 2017 का डोकलाम गतिरोध क्षेत्रीय दावों पर जोर देने के लिए चीन द्वारा सैन्य मुद्रा का उपयोग करने का उदाहरण है, जिससे अपने क्षेत्रीय पड़ोसियों के साथ भारत के सम्बंधों पर असर पड़ा।

चीन के सैन्य प्रभुत्व के प्रति भारत की प्रतिक्रिया राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए रणनीतिक गठबंधनों को मजबूत कर रही है। भारत ने विशेष रूप से भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक गठबंधन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड (चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता) में भारत की भागीदारी सैन्य सहयोग को मजबूत करती है और चीन के मुखर व्यवहार के लिए सामूहिक प्रतिक्रिया सुनिश्चित करती है। भारत को चीनी आक्रामकता को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए, खासकर साइबर युद्ध, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और मिसाइल रक्षा जैसे क्षेत्रों में। रूस से भारत की एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद और ब्रह्मोस मिसाइल विकास चीन की बढ़ती मिसाइल और वायु शक्ति के खिलाफ इसकी रक्षा को मजबूत करता है। आर्थिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक साझेदारी भारत को राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने, चीन के आर्थिक उत्तोलन के प्रति अपनी भेद्यता को कम करने में मदद कर सकती है।

आत्मनिर्भर भारत पहल भारत को महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के लिए चीन पर निर्भरता कम करते हुए स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए अपनी समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने और नौसैनिक क्षमताओं को बढ़ाने पर भारत का ध्यान महत्त्वपूर्ण है। भारत ने चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर में नेविगेशन की स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रित करते हुए जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ नौसैनिक सहयोग को मजबूत किया है। भारत को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ सम्बंधों को मजबूत करने के लिए सॉफ्ट पावर का उपयोग करते हुए चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ क्षेत्रीय सहमति बनाने के लिए राजनयिक प्रयासों में भी शामिल होना चाहिए। आसियान मंचों पर भारत की सक्रिय भूमिका और इसकी एक्ट ईस्ट नीति दक्षिण पूर्व एशिया के साथ घनिष्ठ सम्बंधों को बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्र में चीन के आर्थिक और सैन्य प्रभुत्व का मुकाबला होता है।

चीन के सैन्य प्रभुत्व के प्रति भारत की प्रतिक्रिया क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देते हुए बहुपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित कर रही है। भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और भारत-प्रशांत देशों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए बहुपक्षीय ढांचे को बढ़ावा देना चाहिए। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में भारत की भागीदारी चीन के प्रभाव का मुकाबला करने सहित सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा देती है। भारत बाहरी दबावों के खिलाफ अपनी संप्रभुता का दावा करने में छोटे देशों का समर्थन करके क्षेत्रीय स्वायत्तता और आत्मनिर्भरता को मजबूत कर सकता है। एमजीसी (मेकांग-गंगा सहयोग) जैसी परियोजनाओं के माध्यम से चीनी आर्थिक प्रभाव का विरोध करने में श्रीलंका और नेपाल को भारत का समर्थन स्वायत्तता को बढ़ावा देने का उदाहरण है। भारत को क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए रक्षा खर्च और सैन्य गतिविधियों में पारदर्शिता के महत्त्व पर जोर देना चाहिए।

भारत का खुला रक्षा बजट और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भागीदारी क्षेत्रीय विश्वास में योगदान करती है और संघर्ष के जोखिम को कम करती है। समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर और समान विकास सुनिश्चित करके, भारत चीन की आर्थिक जबरदस्ती का मुकाबला कर सकता है और अधिक स्थिर क्षेत्रीय सम्बंध बना सकता है। बुनियादी ढांचे में सुधार और आसियान देशों के साथ व्यापार को बढ़ावा देने पर भारत का ध्यान चीनी परियोजनाओं पर उनकी निर्भरता को कम करता है। भारत को क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनयिक चैनलों के माध्यम से शांतिपूर्ण संघर्ष समाधान तंत्र को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए। भारत-चीन सीमा वार्ता में भारत की भागीदारी और दक्षिण चीन सागर विवादों पर आसियान के नेतृत्व वाली बातचीत का समर्थन क्षेत्रीय शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

जैसे-जैसे वैश्विक शक्ति की गतिशीलता बदलती है, भारत जैसे देशों को क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए राजनयिक और रक्षात्मक उपायों में संलग्न रहना जारी रखना चाहिए। रणनीतिक साझेदारी, रक्षा क्षमताओं के आधुनिकीकरण और राजनयिक जुड़ाव के सही संयोजन के साथ, भारत शांतिपूर्ण और स्थिर एशिया में योगदान करते हुए अपने हितों को सुरक्षित कर सकता है।

संपादकीय

राष्ट्रीय सुरक्षा पर मंथन

तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में हमें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है। हमें न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखना है, बल्कि साइबर युद्ध और आतंकवाद जैसी नई राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना है। देश आगे बढ़ रहा है और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत के विकास को दुनिया स्वीकार कर रही है। परंतु भारत की भू-राजनैतिक स्थिति, इसके पड़ोसी कारक, विस्तृत एवं जोखिम भरी स्थलीय, वायु और समुद्री सीमा के साथ देश के ऐतिहासिक अनुभव इसे सुरक्षा की दृष्टि से अतिसंवेदनशील बनाते हैं। आज हालात ऐसे हैं कि बाह्य और आंतरिक सुरक्षा में भेद करना कठिन हो गया है। हमारी सुरक्षा को वास्तविक खतरा गुप्त कार्रवाइयों, विद्रोही और आतंकवादी गतिविधियों से है। ऐसे में भुवनेश्वर में शुक्रवार से शुरू हुआ अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों का सम्मेलन देश के आंतरिक सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाने पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण है कि तीन दिवसीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाग ले रहे हैं। आंतरिक सुरक्षा का सामान्य अर्थ एक देश की अपनी सीमाओं के भीतर की सुरक्षा से है। आंतरिक सुरक्षा बहुत पुरानी शब्दावली है, लेकिन समय के साथ ही इसके मायने बदलते रहे हैं। स्वतंत्रता से पूर्व जहां आंतरिक सुरक्षा के केंद्र में धरना-प्रदर्शन, रैलियां, सांप्रदायिक दंगे, धार्मिक उन्माद थे तो वहीं स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं तकनीकी की विकसित होती प्रणालियों ने आंतरिक सुरक्षा को अधिक संवेदनशील और जटिल बना दिया है। आज भारत में आंतरिक सुरक्षा के लिए आतंकवाद, उग्रवाद, सांप्रदायिक हिंसा, साइबर हमले, संगठित अपराध व अलगाववादी आंदोलन जैसी कई चुनौतियां हैं। निश्चित ही सरकार ने इस दिशा में आंशिक प्रयास जरूर किए हैं, जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी की स्थापना, भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना, रक्षा नियोजन समिति की स्थापना आदि, लेकिन ये सभी निकाय अपने-अपने स्तरों पर कार्यरत हैं। आवश्यकता है ऐसी नीति और संरचना की जो इन सभी को एक साथ लेकर चले। आंतरिक सुरक्षा को बेहतर करने के लिए सर्वप्रथम राष्ट्रीय स्तर से लेकर स्थानीय स्तर तक खुफिया तंत्र में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और सुरक्षा पर गठित कैबिनेट समिति को पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई से उत्पन्न सुरक्षा खतरों के खिलाफ एक प्रभावी जवाबी रणनीति तैयार करनी चाहिए। हमारी रणनीति प्रतिक्रियाशीलता के बजाय अधिक सक्रियता की होनी चाहिए। संगठित अपराध से निपटने के लिए अंतर्राज्यीय व अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। केंद्र सरकार को सभी राज्य सरकारों को उनके द्वारा सुरक्षा प्रबंधन के विषय को प्राथमिकता देने की आवश्यकता के संदर्भ में जागरूक किया जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

विश्व एड्स दिवस : एड्स पीड़ितों के प्रति बदले समाज की सोच

ललित गर्ग

न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए ह्यएड्सह्न आज भी एक भयावह शब्द है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। ह्यरॉयटर्सह्न की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2023 के अंत तक 3.95 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ ह्यविश्व एड्स दिवसह्न मनाया जाता है, जो इस वर्ष ह्यटेक द राइट पाथह्न (सही रास्ता अपनाएं) विषय के साथ मनाया जा रहा है।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी साकोर्मा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे ह्यगे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसीह्न (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति ह्यएड्सह्न कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है।

डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में 40 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे।

वास्तविकता यही है कि लोगों में एड्स के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हो रहे, जिस स्तर पर होने चाहिएं। लोगों को जागरूक करने के लिए हमारी भूमिका अभी भी सिर्फ चंद पोस्टर चिपकाने और टीवी चैनलों या पत्र-पत्रिकाओं में कुछ विज्ञापन प्रसारित-प्रकाशित कराने तक ही सीमित है और शायद यही कारण है कि 21वीं सदी में जी रहे भारत के बहुत से पिछड़े ग्रामीण अंचलों में खासतौर से महिलाओं ने तो एचआईवी संक्रमण जैसे शब्द के बारे में कभी सुना तक नहीं। तमाम प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोग इसे छूआछूत की बीमारी ही मानते हैं और इसीलिए वे ऐसे रोगी के पास जाने से भी घबराते हैं। तमाम दावों के बावजूद आज भी समाज में एड्स रोगियों को बहुत सी जगहों पर तिरस्कृत नजरों से ही देखा जाता है।

एड्स पर नियंत्रण पाने के लिए जरूरत है प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी। इसके अलावा प्रचार एवं प्रसार माध्यमों को भी इस दिशा में अहम भूमिका निभानी होगी। विश्व भर में एड्स की महामारी पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को सुरक्षित सैक्स एवं अन्य आवश्यक सावधानियों के लिए भी प्रेरित करना होगा।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मुद्दा: कौन नहीं चाह रहा नदी-तालाब-जोड़.

पंकज चतुर्वेदी

प्यास-पलायन-पानी के लिए बदनाम बुंदेलखंड में हजार साल पहले बने चंदेलकालीन तालाबों को छोटी सदा नीर नदियों से जोड़ कर कम खर्च में कलंक मिटाने की योजना आखिर ठप हो गई। ढाई दशकों से यहां केन और बेतवा नदियों को जोड़ कर इलाके को पानीदार बनाने के सपने बेचे जा रहे हैं। हालांकि पर्यावरण के जानकर बताते रहे हैं कि इन नदियों के जोड़ से बुंदेलखंड तो घाटे में रहेगा, लेकिन कभी चार हजार करोड़ की बनी योजना अब 44 हजार 650 करोड़ की हो गई और इसे बड़ी सफलता के रूप में प्रचारित किया जाता रहा है।

सन 2010 में पहली बार जामनी नदी को महज सत्तर करोड़ के खर्च से टीकमगढ़ जिले के पुश्तैनी विशाल तालाबों तक पहुंचाने और इससे 1980 हेक्टेयर खेतों की सिंचाई की योजना तैयार की गई। इस योजना में न तो कोई विस्थापन होना था और न ही कोई पेड़ काटना था। सन 2012 में काम भी शुरू हुआ, लेकिन आज करोड़ों खर्च के बाद न नहर है न ही सिंचाई। यह बात आम ग्रामीण से छुपी नहीं है कि बहुत से लोग यह नहीं चाहते कि इस तरह के छोटे बजट की योजना चर्चा में आए क्योंकि फिर केन-बेतवा जैसे पहाड़ बजट की योजनाओं पर सवाल उठने लगेंगे? यह किसी से छिपा नहीं है कि देश की सभी बड़ी परियोजनाएं कभी भी समय पर पूरी होती नहीं हैं, उनकी लागत बढ़ती जाती है और जब तक वे पूरी होती है, उनका लाभ, व्यय की तुलना में गौण हो जाता है। यह भी तथ्य है कि तालाबों को बचाना, उनको पुनर्जीवित करना अब अनिवार्य हो गया है और यह कार्य बेहद कम लागत का है और इसके लाभ अफरात हैं। केन-बेतवा नदी को जोड़ने की परियोजना को फौरी तौर पर देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि इसकी लागत, समय और नुकसान की तुलना में इसके फायदे नगण्य ही हैं। केन और बेतवा दोनों का ही उदगम स्थल मध्य प्रदेश है। दोनों नदियां लगभग समानांतर एक ही इलाके से गुजरती हुई उत्तर प्रदेश में जा कर यमुना में मिल जाती हैं। जाहिर है कि जब केन के जल ग्रहण क्षेत्र में अल्प-वर्षा या सूखे का प्रकोप होगा तो बेतवा की हालत भी ऐसी ही होगी। वैसे भी केन का इलाका पानी के भयंकर संकट से जूझ रहा है। सरकारी दस्तावजे दावा करते हैं कि केन में पानी का अफरात है, जबकि हकीकत इससे बेहद परे है। टीकमगढ़ जिले में अभी चार दशक पहले तक हजार तालाब हुआ करते थे। यहां का कोई गांव ऐसा नहीं था जहां कम से कम एक बड़ा सा सरोवर नहीं था, जो वहां की प्यास, सिंचाई सभी जरूरतें पूरी करता था। आधुनिकता की आंधी में एक चौथाई तालाब चौरस हो गए और जो बचे तो वे रखरखाव के अभाव में बेकार हो गए। जामनी नदी बेतवा की सहायक नदी है और यह सागर जिले से निकल कर कोई 201 किलोमीटर का सफर तय कर टीकमगढ जिले में ओरछा में बेतवा से मिलती है। आमतौर पर इसमें सालभर पानी रहता है, लेकिन बारिश में यह ज्यादा उफनती है। योजना तो यह थी कि यदि बम्होरी बराना के चंदेलकालीन तालाब को नदी के हरपुरा बांध के पास से एक नहर द्वारा जोड़ने से तालाब में सालभर लबालब पानी रहे। इससे 18 गावों के 1800 हैक्टर खेत सींचे जाएंगें। यही नहीं नहर के किनारे कोई 100 कुएं बनाने की भी बात थी, जिससे इलाके का भूगर्भ स्तर बना रहता। अब इस योजना पर व्यय है महज कुछ करोड़। इससे जंगलझजमीन को नुकसान कुछ नहीं है, विस्थापन एक व्यक्ति का भी नहीं है। इसको पूरा करने में समय कम लगता। इसके विपरीत नदी जोड़ने में हजारों लोगों का विस्थापन, घने जंगलों व सिंचित खेतों का व्यापक नुकसान, साथ ही कम से कम से 10 साल का काल लग रहा है। समूचे बुंदेलखंड मे पारंपरिक तालाबों का जाल है। आमतौर पर ये तालाब एकदूसरे से जुड़े हुए भी थे, यानी एक के भरने पर उससे निकले पानी से दूसरा भरेगा, फिर तीसरा। यही नहीं बहुत से स्थानों पर तालाब स्थानीय छोटी नदियों से भी जुड़े हुए थे, जिनसे पानी का आदान-प्रदान चलता था। इस तरह बारिश की हर बूंद सहेजी जाती थी। बुंदेलखंड में जामनी की ही तरह केल, जमडार, पहुज, शहजाद, टौंस, गरारा, बघैन, पाईसुमी, धसान, बघैन जैसी आधा सैंकडा निदयां है जो बारिश में तो उफनती है, लेकिन फिर यमुना, बेतवा आदि में मिल कर गुम हो जाती है। यदि छोटी-छोटी नहरों से इन तालाबों को जोड़ा जाए तो तालाब आबाद हो जाएगे। इससे पानी के अलावा मछली, सिंघाड़ा कमल गट्टा मिलेगा। इसकी गाद से बेहतरीन खाद मिलेगी। केन-बेतवा जोड़ का दस फीसद यानी एक हजार करोड़ ही ऐसी योजनाओं पर ईमानदारी से खर्च हो जाए तो 20 हजार हेक्टेयर खेत की सिंचाई व भूजल का स्तर बनाए रखना बहुत ही सरल होगा।

हुआ यूं कि इस योजना की शुरू आत 2012 में हुई और बीते बारह सालों में कम से कम 12 बार हरपुर नहर ही टूटती रही। दो साल पहले अगस्त में अचानक तेज बरसात आई तो 41 करोड़ 33 लाख लागत की हरपुरा नहर पूरी ही बह गई। यह समझना होगा कि देश में जल संकट का निदान स्थानीय और लघु योजनाओं से ही संभव है । ऐसी योजनाएं जिसे स्थानीय समाज का जुड़ाव हो और यदि जामनी नदी से तालाबों को जोड़ने का काम सफल हो जाता तो सारे देश में एक बड़ी परियोजना से आधे खर्च में निदयों से तालाबों को जोड़ कर खूब पानी उगाया जाता । शायद तालाबों पर कब्जा करने वाले, बड़ी योजनाओं में ठेके और अधिग्रहण से मुआवजा पाने वालों को यह रास नहीं आया।

'पहले निवेश के लिए जमीन नहीं मिलती थी'

गोरखपुर में सीएम योगी बोले-अब निवेशकों की लाइन लग गई, युवाओं को भी रोजगार मिल रहा

गोरखपुर। सीएम योगी शनिवार को गोरखपुर पहुंचे। औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के स्थापना दिवस समारोह में निवेशकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा-पहले लोग उद्योग लगाने के लिए जमीन तलाशते थे। नहीं मिलती थी। आज गीडा 800 एकड़ा में फैल चुका है। निवेशकों की लाइन सी लग चुकी है। अब गीडा के पास लैंड बैंक होगा। कोई भी आकर यहां पर निवेश कर सकता है। इससे शौचालय, सड़क स्ट्रीट लाइट अन्य का विकास होगा। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसे कहते हैं मेक इन इंडिया। योगी ने कहा-भाजपा ने 30 हजार करोड़ का इन्सेंटिव निवेशकों को दिया है। ये सभी चीजें बताती हैं। यूपी निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। सुरक्षा के लिए तो यूपी जाना ही जाता था। हम 2029 तक यूपी की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रियल तक पहुंच देंगे। ये हमारा संकल्प है। बहुत कुछ आपको देखने को मिलेगा। यहां का प्रोडक्ट प्रदेश के अंदर भी, देश के अंदर भी और विदेश तक भी जाएगा। यहां का प्रोडक्ट जब लोग देखेंगे, तो जानेंगे कि यह भी कोई जगह है। सीएम योगी ने इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से जुड़ी कुल 209 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास किया। शिलान्यास के प्रोजेक्ट्स में 94 करोड़ के सिविल और 29 करोड़ रुपए के विद्युत कार्य शामिल हैं। जबकि लोकार्पण की परियोजनाओं में 72 करोड़ के सिविल और 14 करोड़ रुपए के विद्युत कार्य सम्मिलित हैं। पिछले स्थापना दिवस समारोह में गीडा ने नाइलिट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) से एमओयू कर स्थानीय युवाओं के कौशल विकास के लिए 9280 वर्गमीटर का कैंपस, निर्मित भवन के साथ निशुल्क उपलब्ध कराया था। नाइलिट का गीडा कैंपस कौशल विकास का केंद्र बनकर उभरा है। यहां अभी तक 13 पाठ्यक्रमों में 617 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। गीडा के 35वें स्थापना दिवस समारोह में सीएम योगी नाइलिट से प्रशिक्षित पांच युवाओं को सर्टिफिकेट वितरित करेंगे।

लखनऊ में गन्ना किसानों का हंगामा

लखनऊ। गन्ना किसानों का भुगतान नहीं होने से नाराज किसानों ने लखनऊ में बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड के ऑफिस का घेराव किया। बड़ी संख्या में किसान और महिलाएं ऑफिस के बाहर एकत्र हुए और जमकर हंगामा किया। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह ने कहा-लखीमपुर, सीतापुर और अन्य पूर्वी जिलों में अभी तक गन्ना किसानों को एक भी रुपया नहीं दिया गया। इसको लेकर किसान अनिश्चित कालीन धरना दे रहे है। 10 दिसम्बर को लखनऊ में महापंचायत होगी। प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह ने कहा- उत्तर प्रदेश में बजाज की 14 शुगर मिलें हैं। इनमें पश्चिमी यूपी की चार-पांच शुगर मिलों में आंशिक भुगतान किया गया है, लेकिन लखीमपुर, सीतापुर और अन्य पूर्वी जिलों में अभी तक एक भी रुपया नहीं दिया गया। हरिनाम सिंह ने कहा- प्रधानमंत्री डिजिटल इंडिया की बात करते हैं, लेकिन यहां किसानों को अपने हक के लिए सड़कों पर आना पड़ता है। इसके बाद किसानों ने गन्ना ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से उतार कर कार्यालय परिसर में रख दिया। हरिनाम सिंह ने कहा- 14 दिन में किसानों का बकाया 1,033 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाए, नहीं तो यहां से कोई किसान वापस नहीं जाएगा। उन्होंने आगे कहा- जिस व्यापारी की 14 शुगर मिल और पावर प्लांट हैं, उसके लिए 1,033 करोड़ रुपए बहुत छोटी रकम है। प्रशासन ने शुगर मिल का गेट खुलवा दिया है। हम अंदर बैठकर अपनी मांग रख रहे हैं। मुख्यमंत्री भी बगल में आएंगे, वह भी हमारी समस्या देखेंगे। विभूति खंड थाना क्षेत्र स्थित बजाज शुगर लिमिटेड कार्यालय के बाहर किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर और अयोध्या समेत अन्य जिलों से भी किसान लखनऊ पहुंच रहे हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत रखने के लिए भारी बल तैनात कर दिया है। अधिकारी किसानों से बातचीत में लगे हुए हैं। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने धरनास्थल पर एक बैनर लगाया है। इसमें 10 दिसंबर को लखनऊ में महापंचायत की सूचना दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह ने बताया कि गन्ना किसानों का अनिश्चित कालीन धरना चलता रहेगा। 10 दिसम्बर को महापंचायत में प्रदेश भर के गन्ना किसान जुटेंगे।

लाडले अर्णव के जन्मोत्सव पर हुआ पौधरोपण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में अंतरराष्ट्रीय बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित अनिरुधवा में शनिवार को पत्रकार हृदयानंद शर्मा के पोते लाडले अर्णव के जन्मोत्सव पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर पौधे को ब्रिक गार्ड से सुरक्षित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा किसान सभा के जिला सचिव ध्रुव सिंह पटेल ने कहा कि नयी दिशा द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर चलाया जा रहा अभियान सराहनीय है। स्वच्छ वातावरण के लिए पौधरोपण जरूरी है। समाजसेवी ओमप्रकाश कुशवाहा ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए अधिकाधिक मात्रा में फलदार, औषधीय, इमारती पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए लाभदायक है। दया शंकर सिंह ने कहा कि पौधों से बहुत लाभ है। अपने घर होने वाले कार्यक्रमों के तहत हर व्यक्ति पौधे लगाए तो धरती हरी भरी रहेगी। इस दौरान पत्रकार मस्तराज सिंह, राम प्रसाद कुशवाहा, राकेश सिंह, डा0 जेपी शर्मा, आदित्य कुशवाहा, विपुल शर्मा, निखिल प्रताप, नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र आदि उपस्थित रहे।

विधायक पी.एन पाठक ने कार्यकताओं संग देखी द साबरमती रिपोर्ट

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। शनिवार को कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक ने पडरौना के एक सिनेमा हॉल में क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकताओं और पदाधिकारियों के साथ गुजरात पर आधारिक द साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी। फिल्म में कलाकारों द्वारा किए गए अभिनय और एक खास मुद्दे पर सच्चाई को दिखाने पर विधायक पी.एन पाठक ने मुक्तकंठ से सराहना की। इस दौरान फिल्म देखने के दौरान भाजपा सैकड़ों कार्यकताओं व पदाधिकारियों से हाल भरा रहा। सभी ने गुजरात पर आधारित फिल्म को पसंद किया। फिल्म देखने के बाद विधायक पी.एन पाठक ने कहा कि इस फिल्म में एक सत्य को देशवासियों के सामने लाने का बड़ा और सफल प्रयास किया गया है। मैं द साबरमती रिपोर्ट की पूरी टीम व कलाकारों को बधाई देता हूं जिन्होंने इस वास्तविक सच को देश की जनता के सामने फिल्म के माध्यम से बाहर लाने का सफल प्रयास किया है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव,शैलेन्द्र सिंह, अमित मालवीय, राज पाठक, संजीव सिंह सिब्लू, दिनेश तिवारी समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

ब्रजेश पाठक ने ईंट से ईंट बजाकर तोड़ी

बोले- एक-एक चवन्नी वसूल करूंगा, वाराणसी में कहा- अखिलेश अपने गिरेबान में झांकें

वाराणसी । डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक शनिवार को पहले वाराणसी और फिर मुगलसराय के चंदौली पहुंचे। चंदौली के महेवा में बन रहे ट्रामा सेंटर का निरीक्षण करते समय ईंट की खराब क्वालिटी देखकर भड़क गए। उन्होंने दो ईंटों को आपस में टकरा कर कहा- ये कौन-सा ईंट यूज किया जा रहा है? ये बजाते ही टूट जाएगी। बिल्डिंग की नींव देख कर बोले- ऐसे कौन बनाता है। आप लोगों ने जो तमाशा किया है। आप लोगों से एक-एक चवन्नी वसूल करूंगा। आप लोगों ने बेस पिलर की हालत खराब कर रखी है। पाठक ने काम करने वाली संस्था को जमकर फटकार लगाई। साथ ही मौके पर मौजूद मुख्य विकास अधिकारी को संस्था को ब्लैकलिस्ट करने और सरकारी धन की रिकवरी का आदेश दिया। डिप्टी सीएम ने कहा- यह सरकार के धन की खुली बबार्दी है। उन्होंने कार्यदायी संस्था के इंजीनियर को फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि इस तरह की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी। पाठक ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों के लिए धन आवंटित करती है, ताकि जनता को बेहतर सुविधाएं मिलें। इस तरह की लापरवाही और भ्रष्टाचार कतई स्वीकार्य नहीं है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक वाराणसी में 51 शक्तिपीठों के साथ द्वादश ज्योतिर्लिंग समागम कार्यक्रम में पहुंचे।

उन्होंने कहा- कानून व्यवस्था से छेड़छाड़ करने की इजाजत किसी को भी नहीं है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। संभल की घटना समाजवादी पार्टी के अपराधियों की देन है। जो संभल के अपराधी हैं, वो सब समाजवादी हैं। देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। सपा डेलिगेशन के संभल जाने पर कहा- अखिलेश यादव को सबसे पहले अपनी समाजवादी पार्टी को संभालना चाहिए। उसके बाद संभल को देखना चाहिए। संभल और आसपास में जिस तरह से उनके सांसद और विधायक आपस में लड़ रहे हैं। सिर फुटौव्वल कर रहे हैं। ऐसे में वह संभल की घटना पर विचार व्यक्त न करें तो अच्छा है। उन्होंने कहा- सपा के लोग संभल को राजनीतिक पर्यटन समझ रहे हैं। ये लोग ऐसी घटनाओं पर राजनीतिक पर्यटन की दृष्टि से जाते हैं। अखिलेश अभी तक यूपी में हुए उपचुनाव की हार से उभर नहीं पाए हैं। इसलिए वह तरह-तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। हम संभल में कानून व्यवस्था को मेंटेन करेंगे। अपराधियों पर ऐसे ही अंकुश जारी रहेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद डिप्टी सीएम ने कहा- सनातन धर्म पर जब भी अवसर मिलता है। लोग अनाप-शनाप बोलकर सुर्खियों में आ जाते हैं। हम पूरी दुनिया को परिवार मानते हैं। फिर भी हम पर हमला होता है। लेकिन हमारी संस्कृति ने दुनिया को मार्ग दिखाने का काम किया। उन्होंने कहा- बाबा की कृपा से कुछ तो होने वाला है। 2014 से पहले बहुत सी सरकार बनी, लेकिन 2014 के बाद से सनातन सोच की धारा बढ़ी। यह सब पीएम मोदी के चलते हुआ। उन्होंने कहा- हम अच्छा काम करेंगे तो हमारी आत्मा परमात्मा में विलीन होगी। वो लोग जाएंगे तो उनको हूरें मिलेंगी। सनातन को लोग तोड़ने का काम कर रहे हैं। वोट लेकर सिर्फ सत्ता लेना चाहते हैं।

जल्द करायें फसल बीमा, बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर 2024: जिला कृषि अधिकारी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। जिला कृषि अधिकारी गाजियाबाद द्वारा समस्त किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जनपद-गाजियाबाद सीजन रबी 2024-25 में जनपद में अधिसूचित फसल गेंहू, सरसों है। गेहूं की प्रीमियम धनराशि 1338 रुपए प्रति हे० तथा इसकी बीमित राशि 89200.00 रुपए प्रति हे० है, सरसों की प्रीमियम धनराशि 1039.50 रुपए प्रति हे० है तथा इसकी बीमित धनराशि 69300.00 रुपए प्रति हे० है, जो किसान भाई अपनी फसल बीमा कराना चाहते है वह सम्बन्धित बैंक शाखा एवं जनसेवा केन्द्र के माध्यम से पहले अपना 01 नवम्बर 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक पंजीकरण अवश्य करा लें। जिन ऋणी किसान भाइयों को फसल बीमा का लाभ लेना है, तो उनको अपने के०सी०सी० में अपनी फसल बैंक में जाकर अनिवार्य रूप से दर्ज करा लें। गैर ऋणी किसान फसल बीमा कराने हेतु फसल बीमा तहसील समन्वयक, सी०एस०सी० केन्द्र व फसल बीमा NCIP पोर्टल या www.pmfby.gov.in या काप इंश्योरेंस ऐप के माध्यम से स्वंय फसल का बीमा कर सकते है। बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर 2024 है। अतः सभी किसान भाईयों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक कृषक अपनी फसल का बीमा अवश्य करायें, जिससें किसी भी स्थानीय प्राकृतिक आपदा जैसे ओलावृष्टि जलभराव, भूस्खलन, बादल फटना, आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग, कटी फसल में कटाई उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु रखी गई फसल को ओलावृष्टि, चक्रवात / चक्रवर्ती वर्षा / बेमौसम वारिश से किसानों की फसल नष्ट हो जाती है तो इस सन्दर्भ में उन किसानों को इस योजना के अन्तर्गत लाभ प्राप्त होता हैं और ग्राम पंचायत स्तर पर (क्षेत्र आधारित) जैसे असफल बुवाई की स्थिति में, फसल की अवधि में प्राकृतिक आपदा से नुकसान की स्थिति में एवं फसल कटाई के आधार पर प्राप्त वास्तविक उपज में गारन्टीड / थ्रेशोल्ड उपज की तुलना में कमी होने की स्थिति में कृषक भाईयों को लाभ प्राप्त होता है। नोटः अधिक जानकारी के लिए फसल बीमा कम्पनी के टोल फ्री नं0 14447 अथवा श्री दीपक कुमार, जिला समन्वयक मो0नं0 6392692542, श्री हितेश सिंह, तहसील सदर मो0नं0-8368857540, श्री ललित राघव तहसील मोदीनगर- मो0नं0 7409676325, श्री मोहित अग्रवाल तहसील लोनी-8958807367 पर कॉल कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते है।

संक्षिप्त डायरी

मैक्सिविन पब्लिक स्कूल जहांगीरपुर में बैडमिंटन प्रतियोगिता का किया आयोजन

संस्कार उजाला

जहांगीरपुर (सुहैल खान)

/मैक्सिविन पब्लिक स्कूल में बैड मिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल के डायरेक्टर योगेंद्र सैनी एवं प्रधानाचार्य खान चंद वर्मा फीता काटकर खेलोउत्सव का शुभ आरंभ किया विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया बड़े विद्यालय क्रीड़ा स्थल पर प्रभात शर्मा,रिंकू शर्मा,गौरव माहेश्वरी,करण गौतम,नीरज जादौन,कुलदीप, राहुल,एवं शिवकुमार शर्मा,दीपक राजपूत,उत्तम नगर,गोयल प्रशांत राजपूत, मनोहर,स ंजीव, समस्त स्टाफ ने अपना योगदान दिया

अपराध नियंत्रण की दिशा में कार्य करते हुए इटावा पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त को अवैध तमंचा व जिंदा कारतूस सहित किया गया गिरफ्तार ।

संस्कार उजाला

संवाददाता मनोज पाठक इटावा

अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन, कानपुर एवं पुलिस उप महानिरीक्षक कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर के निर्देशन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के पर्यवेक्षण में थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही ।

गिरफ्तारी का संक्षिप्त विवरणः-

जनपद में अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा द्वारा दिये गये निदेर्शों के क्रम में दिनांक 30.11.24 को थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा शास्त्री चौराहे से रेलवे स्टेशन आने वाली रोड पर दिनांक 29.11.2024 की शाम को तमंचा निकालकर लहराने वाले अभियुक्त अनुज पुत्र स्व0 शंकरलाल को उद्धर स्कूल के सामने अण्डर ब्रिज पुलिया के पास से समय 10:05 बजे गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त-

अनुज पुत्र स्व0 शंकरलाल निवासी लोहारी थाना कुठौन्द जनपद जालौन उम्र करीब 30 वर्ष ।

पंजीकृत अभियोगः-

मु0अ0सं0 225/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना सिविल लाइन जनपद इटावा ।

बरामदगीः-

1.01 तमन्चा 12 बोर

2.05 जिन्दा कारतूस 12 बोर ।

पुलिस टीमः - श्री यशवंत सिंह प्रभारी थाना सिविल लाइन, उ0नि0 श्री संजय यादव, उ0नि0 श्री सिपाही लाल, का0 सुमित कुमार, का0 कर्मवीर सिंह ।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारी/चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चैकिंग की गयी ।

संस्कार उजाला

संवाददाता मनोज पाठक इटावा

आज दिनांक 30.11.2024 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में जनपद की कानून व्यवस्था को प्रभावी एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी/चौकी प्रभारियों द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों को रोककर चेक किया गया ।

गोरखपुर में मिला युवक का शवः शरीर पर चोट के गहरे निशान

गोरखपुर । एक 28 साल के युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे परिसर के पास मिला। घटना सहजनवां इलाके में वार्ड नंबर 14 लुचुई की है। युवक के सिर और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे, जिससे खून बह रहा था। परिवार वालों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए मामले की गहराई से जांच की मांग की है। दरअसल, शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन के पश्चिमी हिस्से में खाली पड़ी जमीन पर कुछ स्थानीय लोगों ने खून से लथपथ शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान वार्ड नंबर 7 निवासी अनिल (पुत्र सुरेंद्र) के रूप में की। घटनास्थल पर पहुंचे स्वजनों ने मृतक के सिर और शरीर पर चोट के गहरे निशान देखकर हत्या का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसी ने अनिल की हत्या कर उसका शव यहां फेंका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अनिल तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था और अविवाहित था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है, और वे मजदूरी कर अपनी जीविका चलाते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि अनिल नशे का आदी था, जिससे उसकी जीवनशैली और सामाजिक संबंधों पर असर पड़ा था। घटनास्थल के पास गांजे की दो अवैध दुकानें संचालित होने की जानकारी मिली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अनिल गांजा पीने का आदी था और संभवतः नशे के दौरान किसी विवाद के कारण उसकी हत्या हुई। पुलिस ने हत्या की आशंका को ध्यान में रखते हुए एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। सहजनवां थाने के प्रभारी विशाल उपाध्याय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण का पता चल सकेगा। हालांकि, मृतक के परिवार ने अब तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने बच्चों में बढ़ते ओबेसिटी के मामलों पर जताई चिंता: समाधान के लिए प्रभावी नीतियां बनाए जाने का किया आह्वान

संस्कार उजाला
देवेन्द्र कुमार मिश्रा

लखनऊ आपको बताते चली विधायक सरोजिनी नगर हर समय सुर्खियों में रहते हैं 2030 तक ओबेसिटी से ग्रस्त विश्व का हर दसवां बच्चा भारत से होगा, समाधान के प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता - सरोजनीनगर खेल और युवा विकास के लिए प्रतिबद्ध - भारत में बच्चों में ओबेसिटी यानी मोटापा प्रमुख समस्या बनती जा रही है। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस समस्या के प्रमुख पहलुओं और आवश्यक कार्रवाई का उल्लेख करते हुए प्रभावी समाधान किए जाने का आह्वान किया।

डॉ. सिंह ने बच्चों में बढ़ती ओबेसिटी से जुड़े आंकड़े प्रस्तुत करते हुए लिखा

1.2030 तक वैश्विक मोटे बच्चों में भारत का योगदानः 2030 तक, दुनिया भर में हर दसवें मोटे बच्चे में से एक बच्चा भारत से होगा, जो भारत में बच्चों के मोटापे की समस्या के बढ़ते संकट को दशार्ता है 2.1990 से 2022 तक मोटापे में वृद्धिः भारत में मोटे बच्चों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, 1990 में 0.4 मिलियन से बढ़कर 2022 में 12.5 मिलियन हो गई है, जो केवल तीन दशकों में 31 गुना वृद्धि को दशार्ता है।

3.वैश्विक मोटापे की दरः दुनिया भर में 100 मिलियन से अधिक बच्चे मोटे हैं, और वैश्विक आबादी का 6.7% मोटा है, जो बच्चों में मोटापे के वैश्विक प्रसार को दशार्ता है 4.

भारत में शहरी और ग्रामीण मोटापे की दरः भारत में 9.2% शहरी बच्चे मोटे हैं, जबकि 4.2% ग्रामीण बच्चे मोटे हैं, जो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच मोटापे की दर में स्पष्ट अंतर को दशार्ता है।

5.भारत की वैश्विक रैंकः भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है मोटे बच्चों की संख्या में, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद, जो भारत में बच्चों के मोटापे की बढ़ती समस्या को प्रदर्शित करता है 6. वैश्विक मोटापे में वृद्धिः वैश्विक स्तर पर मोटे बच्चों की संख्या 2030 तक 250 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है, और भारत इस वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगा 7. मीठे पेय पदार्थों का सेवनः भारत में 42% बच्चे मीठे पेय पदार्थों का सेवन करते हैं, जो मोटापे की बढ़ती दरों में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, इसके साथ ही प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों और स्नैक्स का सेवन भी बढ़ रहा है 8.बच्चों के मोटापे के स्वास्थ्य जोखिमः बच्चों में मोटापा टाइप 2 डायबिटीज, हृदय रोग और हाई ब्लड प्रेशर जैसे दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा होता है, जो भविष्य में भारत के स्वास्थ्य प्रणाली पर भारी दबाव डालेंगे 9. शारीरिक निष्क्रियताः भारत में 42% बच्चे निर्धारित दैनिक शारीरिक गतिविधि के स्तर को पूरा नहीं करते हैं, जो मोटापे की बढ़ती दर में महत्वपूर्ण योगदान करता है। सरोजनीनगर विधायक ने ओबेसिटी से निपटने के उपायों का उल्लेख करते हुए आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आह्वान करते हुए लिखा -डॉ. सिंह ने अपने पोस्ट में आगे लिखा जैसा कि बच्चों में मोटापे का संकट बढ़ता जा रहा है, सभी संबंधित पक्षों को तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। निम्नलिखित कदम मोटापे की बढ़ती दरों को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं:

1.शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देनाः स्कूलों को खेल, योग और शारीरिक शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि बच्चे प्रतिदिन शारीरिक गतिविधियों में शामिल हो सकें। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में अधिक पार्क, खेल मैदान और सामुदायिक खेल कार्यक्रमों का निर्माण किया जाना चाहिए 2. स्वस्थ आहार को बढ़ावा देनाः सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान संतुलित और पोषक आहार को बढ़ावा देने चाहिए, साथ ही मीठे पेय पदार्थों और जंक फूड के सेवन को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। स्कूलों और अभिभावकों को स्वस्थ भोजन विकल्पों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ काम करना चाहिए।

3.खाद्य विपणन पर नियंत्रणः बच्चों को लक्षित कर-के बेचे जाने वाले अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के विपणन को सख्ती से नियंत्रित किया जाना चाहिए। पोषण संबंधी जानकारी को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाना चाहिए, ताकि माता-पिता अपने बच्चों के लिए बेहतर विकल्प चुन सकें 4. जागरूकता बढ़ानाः सरकारों, स्वास्थ्य पेशेवरों और स्कूलों को बच्चों के मोटापे के स्वास्थ्य जोखिमों और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ानी चाहिए 5.स्वास्थ्य नीति और सामुदायिक समर्थनः सरकारों को स्वास्थ्य नीति में सुधार करना चाहिए, जिसमें बच्चों के मोटापे को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए डॉ. सिंह ने सरोजनीनगर ने खेल और युवा विकास के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए आगे लिखा सरोजनीनगर में बच्चों की ओबेसिटी के संकट को कम करने के लिए शारीरिक गतिविधियों में भागीदारी को बढ़ावा देने और खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। यहां हम जो कदम उठा रहे हैं, वे निम्नलिखित हैं: नियमित खेल लीगः हम नियमित रूप से खेल लीग आयोजित करते हैं, जो बच्चों और युवाओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और शारीरिक गतिविधि में शामिल होने का एक मंच प्रदान करता है। संवर्धन और बुनियादी ढांचा विकासः हम नए खेल मैदानों का निर्माण कर रहे हैं और पार्कों में ओपन जिम स्थापित कर रहे हैं, ताकि समुदाय में फिटनेस की उपलब्धता बढ़ सके। युवा क्लबों का समर्थनः सरोजिनी नगर में अब तक 150 से अधिक खेल क्लब स्थापित किए गए हैं, जो युवाओं को विभिन्न खेलों में भाग लेने के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करते हैं। हम इन क्लबों को वित्तीय सहायता और खेल उपकरण भी प्रदान करते हैं। बच्चों को प्रेरित करनाः हम बच्चों को अधिक से अधिक खेल खेलने के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि वे शारीरिक गतिविधियों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकें और स्वस्थ जीवन जी सकें हमारे द्वारा बनाए गए इस खेल संस्कृति और आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ, सरोजिनी नगर बच्चों के मोटापे के बढ़ते संकट को कम करने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में योगदान दे रहा है।

यातायात महा नवंबर के अंतर्गत पुवाया पुलिस ने मलाया मेकिंग अभियान

संस्कार उजाला
पुवाया शाहजहांपुर,,

पुवायां शनिवार को राजीव चौक पर पुवाया पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ चलाया चेकिंग अभियान उसमें दो पहिया वाहन के कटे चालान, पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान यातायात के नियमों का पालन न करने वाले लोगों को जागरूक किया और उसके साथ-साथ मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्तियों को हिदायत दी लोगो को समझाया कितनी सवारी बैठाने के लिए मोटरसाइकिल नहीं बनाई गई मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति बैठ कर चल सकते हैं लेकिन उसके उपरांत देखा गया दो लोगों से ज्यादा तीन और चार-चार लोग मोटरसाइकिल पर बैठ पाए गए इससे क्या साबित होता है क्या मोटरसाइकिल चलाने वाले यातायात के नियमों को लगा रहे हैं पलीता जनपद शाहजहांपुर में जुगाड़ वहां भी सकरी दो पहिए के वाहन को बना दिया तीन पहिए का वाहन इसमें परिवहन विभाग क्या कदम उठाएगी पुलिस भी कुछ नहीं कर रही कार्रवाई यातायात नियम की जमकर धज्जियां उड़ा रहे जुगाड़ वहां लगातार बेकाबू होकर सड़क पर दौड़ रहे जुगाड़ वहां कोई आदेशों को नहीं मानते हैं

संक्षिप्त डायरी

एसपी ने पुलिस विभाग से सेवा निवृत उप निरीक्षक अनूप बग्गा को स्मृति चिन्ह भेंट कर दी भावभीनी विदाई

संस्कार उजाला
रपोर्टर भूपेंद्रवर्मा

हापुड़/पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के द्वारा पुलिस विभाग में अपनी ड्यूटी के प्रति सत्यता सतर्कता और निष्ठा पूर्वक निर्वाह करने वाले उप निरीक्षक अनूप बग्गा को सेवानिवृत होने पर पुलिस कार्यालय में स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई देने के साथ बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

सांसद/विधायक ने जिला अस्पताल में ब्लड बैंक का फीता काटकर किया उद्घाटन

संस्कार उजाला

हापुड़/जनपद की जनता जनार्दन को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर स्वास्थ्य विभाग के जिला अस्पताल में दस्तोई रोड पर स्थापित ब्लड बैंक का सांसद अरुण गोविल और विधायक विजयपाल सिंह आढ़ती के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी सहित जिला अस्पताल की स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

तेज रफ्तार का कहर जारी बाइक सवार तीन युवक ट्रक से टकराया तीनों की हालत नाजुक

संस्कार उजाला

हापुड़/बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेज रफ्तार के चलते अनियंत्रित होकर तीन बाइक सवार ट्रक से टकराए तीनों की हालत नाजुक। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों बाइक सवार घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए हायर सेंटर के लिए किया रेफर। तीनों बाइक सवार युवक बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले डेहरा कुटी के बताए जा रहे हैं।

एंटी रोमियो स्क्वायड टीम के द्वारा मिशन शक्ति फेस 5 अभियान के तहत चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर से किया जागरूक

संस्कार उजाला

हापुड़/उत्तर प्रदेश योगी सरकार के द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा की दृष्टिगत सभी थानों में तैनात एंटी रोमियो स्क्वायड टीम के द्वारा मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत चौपाल लगाकर स्कूल ही छात्राओं/ बालिकाओं/ महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति हेल्पलाइन नंबरों से संबन्धित जागरूक किया गया।

डीएम साहब ,,,, पुवायां तहसील के अधिकारी कर रहे अपनी मनमानी जनता हो रही परेशान

सरकार द्वारा जारी आदेश को नहीं मानते हैं तहसील के अधिकारी

संस्कार उजाला
पुवाया शाहजहांपुर

पुवायां ,, शनिवार को ग्रामीणों की जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने बताया पुवायां तहसील के सप्लाई इंस्पेक्टर महेश कठेरिया ऐसी कौन सी मीटिंग करते हैं अथवा ऐसा कौन सा कार्य करते हैं जिसमें अपने ऑफिस में ही बाहर से ताला लगवा देते हैं जब एक दिन देखा गया की दिन के 1:30 पर बाहर से ताला लगा हुआ था जब पूछा गया कि ऑफिस बंद है इस समय तभी वहां से राजीव नाम के व्यक्ति ने आकर बाहर से ताला खोला तब वहां पाया गया की कंप्यूटर ऑपरेटर नीरज कुमार एवं रवि व सप्लाई इंस्पेक्टर महोदय महेश कठेरिया अथवा अन्य लोग बैठे हुए हैं इसके पीछे क्या राज है क्या कारण है फरियादी बाहर घूमे

और सप्लाई स्पेक्टर महेश कठेरिया मौज उड़ाएं ऑफिस के अंदर इससे पहले आलोक कुमार सप्लाई इंस्पेक्टर रहे और पवन सुधाकर और वर्तमान सप्लाई इंस्पेक्टर वीरपाल के कार्यकाल में ऐसा कुछ कभी देखने नहीं मिला जैसा महेश कठेरिया कर रहे हैं आखिर इसके पीछे क्या राज है क्या कारण है सप्लाई स्पेक्टर महेश कठेरिया ने अपने अपने ने उप जिला पूर्व निरीक्षक कार्यालय में कितने प्राइवेट लोगों को लगा रखा है जो राशन कार्ड बनवाने वाले लाभार्थियों नहीं बताया इस संबंध में डीएम साहब को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग करेंगेसाहब के जारी आदेश जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह लेंगे अपने संज्ञान में क्योंकि जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने जब से शाहजहांपुर का चार संभाला है तब से उन्होंने सभी विभागीय कर्मचारियों को एक निर्देश भी जारी किया है कि किसी फरियादी को निराश नहीं होना चाहिए लेकिन उसके बावजूद सप्लाई इंस्पेक्टर महेश कठेरिया जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह के बने हुए नियमों को इंस्पेक्टर साहब मानने को नहीं तैयार है

पूर्व सैनिकों के द्वारा सांसद कंवर सिंह तंवर के समक्ष उठाई ईसी एचएस पोलिक्लीनिक की मांग

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/ हापुड़ जनपद के पूर्व सैनिकों द्वारा पूर्व वायुसेना अधिकारी वारंट आफिसर चौधरी मनबीर सिंह उपाध्यक्ष जिला सैनिक बंधु के नेतृत्व में स्थानीय सांसद कंवर सिंह तंवर को उनके सिखैड़ा स्थित कैम्प कार्यालय पर मुलाकात कर पूर्व सैनिकों की समस्याओं विशेषकर हापुड़ में ईसीएचएस पोलिक्लीनिक की स्थापना कराये जाने से अवगत कराने के साथ ही पत्र सौंपकर कार्यवाही का अनुरोध भी किया। गौरतलब रहे कि जनपद के पूर्व सैनिकों जिनकी संख्या लगभग 06 हजार है। एवं उनके परिवार को ईसीएचएस की सुविधा लेने के लिए अपने गंतव्य से 60 से 70 किमी दूर मेरठ पोलिक्लीनिक में रेफरल लेने जाना पड़ता है।क्योंकि हापुड़ में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। गत कई वर्षों से पूर्व सैनिकों द्वारा प्रत्येक स्तर पर

यह मांग उठाई जाती रही है। लेकिन यह लिखकर आवेदन अस्वीकार कर दिया जाता है कि हापुड़ के पूर्व सैनिकों को यह सुविधा 35 से 40 किमी मेरठ में उपलब्ध है। जबकि वर्ष 2024 में केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत नये 21 पोलिक्लीनिक में 02 पोलिक्लीनिक नोएडा में मात्र 02 किमी की दूरी पर एवं मेरठ में भी एक और पोलिक्लीनिक की स्थापना होनी है।जहाँ दोनों जगह पूर्व में यह सुविधा उपलब्ध है।ऐसे में जनपद हापुड़ के पूर्व सैनिकों को यह सुविधा उपलब्ध नहीं कराना उनके प्रति पक्षपातपूर्ण व्यवहार और अन्याय है। माननीय सांसद द्वारा आशवासन दिया गया कि वह इस समस्या के निस्तारण के लिए प्रयास करेंगे। और हापुड़ में पोलिक्लीनिक की स्थापना करायेंगे। इस अवसर पर कैप्टन राजेश चौधरी अध्यक्ष पूर्व सैनिक संघ, हवलदार शाहिद अली जिलाध्यक्ष ए ई डी सी, कैप्टन गोपीचंद, कैप्टन महीपाल सिंह, सूबेदार ओम बीर सिंह, सूबेदार समर पाल सिंह, सूबेदार श्री पाल, सूबेदार जगदीश चौहान, हवलदार आदिल, हवलदार राम बीर सिंह, हवलदार, वायुसेना अधिकारी श्री चंद शर्मा, हवलदार हरेंद्र सिंह, हवलदार मनोज, चित्रसेन आदि काफी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

डी मेमोरियल पब्लिक स्कूल का 30 वा वार्षिक स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

संस्कार उजाला
जिला प्रभारी अमित शर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़ मुक्तेश्वर के शाहपुर रोड पर स्थित शिक्षा के मंदिर के रूप में परचम लहराने वाले देव मैमोरियल पब्लिक स्कूल का 30 वां वार्षिकोत्सव 'युग -मन्थन' की केन्द्रीय थीम के अंतर्गत बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जिसमें मुख्य अतिथि आनन्द कुमार (निवर्तमान आई.पी.एस.तथा डी.जी. उत्तर प्रदेश) विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के पुरातन छात्र सी.ए.लक्ष्मी नारायण ,सी.ए. हिमांशु अरोरा ,उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम का प्रारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय वार्षिकोत्सव में युग-मन्थन के माध्यम से भारतीय ज्ञान-परम्परा,संस्कृति तथा मूल्यों की

प्रतिछाया को छात्र-छात्राओं ने मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि तथा अभिभावकों के समक्ष मनमोहक रूप में प्रस्तुत किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि आनंद कुमार पूर्व आई.पी.एस.ने कहा कि आधुनिक समय सूचना आधारित है। बच्चों को अपने आपको विद्यालय में ही मजबूत करना होगा क्योंकि आज का समय प्रतियोगिताओं और चुनौतियों से भरा है।

जिसे विशेषज्ञता से ही जीता जा सकता है। विशिष्ट अतिथि तथा पुरातन छात्र लक्ष्मी नारायण ने कहा

कि बच्चों को अपनी क्षमता और विश्वास को जगाना होगा।

आज चुनौतियां बड़ी है तो उसके साथ-साथ अवसर भी बड़े रूप में उपलब्ध हुए हैं।विद्यालय प्रबंधक राजेंद्र चौधरी जी ने आगंतुक अतिथि विशिष्ट अतिथि एवं अभिभावकों का हृदय से आभार प्रकट किया और विद्यालय की निरंतर प्रतिबद्धता सकारात्मक सोच एवं उजार्वान प्रयास को दोहराया। विद्यालय प्रधानाचार्य श्रीमती मंजु चौधरी ने विद्यालय की वार्षिक प्रगति को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा अभिभावकों के समक्ष रखा। उप प्रधानाचार्य युधिष्ठिर यादव ने विद्यालय की वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रगति सूचना प्रस्तुत की। शैक्षिक एवं खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को इस अवसर पर पुरस्कृत किया तथा उनके भविष्य की मंगल कामना की गई। 30वें वार्षिक उत्सव की उल्लास से परिपूर्ण अवसर पर विद्यालय परिवार एवं प्रबंधन के साथ समस्त गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। वाइस प्रिंसिपल युधिस्टर यादव अशोक कुमार भारत सिंह रामपाल सिंह इमरान अली लोकेश कुमार फुरकान अली विकास शर्मा शान मोहम्मद, दत्ताराम शर्मा विनोद कुमार शर्मा रवीश कुमार, संजय गुर्जर पुष्पेंद्र कुमार सुधीर कुमार संजय कुमार हरिश्चंद्र सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन जनशक्ति की मासिक बैठक हुई आयोजित

संस्कार उजाला

जनपद हापुड़ के बाबूगढ़ छावनी में भारतीय किसान यूनियन जनशक्ति की मासिक बैठक आयोजित हुई।जिसकी अध्यक्षता बृजपाल सिंह बछलौता ने करते हुए किसानों की मुख्य पीड़ा आवारा पशुओं का उचित समाधान नहीं होने पर सरकार पर निशाना साधा प्रदेश उपाध्यक्ष जिला अध्यक्ष सुधीर चौधरी ने जनपद की दोनों मिलों द्वारा वर्तमान पेराई गन्ना सत्र का मूल्य भुगतान 14 दिन में नहीं दिए जाने को लेकर गन्ना अउळ के अनुसार ब्याज को लेकर किसानों को एकजुट होने का आह्वान किया। और 6 दिसंबर के बाद सिंभावली मील पर एक विशाल धरना प्रदर्शन करने की बात रखते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर किसान समाज का शोषण नहीं होने दिया जाएगा। वहीं मंडल उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ

शैंकी चौधरी ने तहसील में किसानों के कार्यों को कर्मचारियों द्वारा लगातार देरी को लेकर सुधारने की नसीहत दी। इस अवसर पर बबली चौधरी, शिवम चौधरी, संजय शर्मा, मुनेश यादव, संजय त्यागी, विपिन चौधरी सोमदत्त शर्मा सचिन चौधरी मोहित सौरभ सोहन राहुल सिंधु अजय शर्मा राहुल औलख रागीब चौधरी प्रवीण तोमर सहित सैकड़ो पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजसेवी संस्था ने अनाथ आश्रम में बच्चों का कराया चेकअप,बाँटी दवाइयाँ व राशन

संस्कार उजाला

पूरनपुर, पीलीभीत। ठाकुर भजन सिंह भदौरिया मेमोरेबल ट्रस्ट की तरफ से लगातार समाज सेवा के कार्य किये जा रहे हैं। नगर के अनाथ आश्रम में रहने वाले बच्चों के लिए प्रति माह राशन और दवाइयों की सेवा की जाती है। कुछ दिन पूर्व आश्रम के कई बच्चे अस्वस्थ थे। महीनों की सेवा के बाद भी बच्चों के स्वास्थ्य में कोई फर्क नहीं आया सब वैसे ही बीमार और कमजोर थे। स्थित की गंभीरता को ध्यान में रहते हुए ठा.भजन सिंह भदौरिया फाउंडेशन ट्रस्ट के फाउंडर ठाकुर शिवम सिंह भदौरिया ने अनाथ आश्रम के सभी सदस्यों को बच्चों की अच्छी तरह से देखभाल करने को कहा। जो राशन अनाथ आश्रम पहुंचाया जाता है उसकी रोजाना दोनों वक्त के खाने की फोटो वीडियो लेना शुरू किया और सभी बच्चों की इलाज सरकारी न करके प्राइवेट दवाई शुरू कराई गई। अनाथ आश्रम में जो बच्चे तीन चार और पांच हीमोग्लोबिन के साथ बीमार रह रहे थे अब वैसा नहीं है। अब उनका हीमोग्लोबिन 12 से 15 के बीच में है।बच्चों की जाँच के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में यह संस्था उनका अल्ट्रासाउंड, ब्लड टेस्ट,यूरिन टेस्ट, हीमोग्लोबिन,टीएलसी आदि की जांच करवा रही है।ताकि पूरे कोर्स की दवाइयां खिलाकर बच्चों को स्वस्थ रखा जाए।और फिर राशन की सेवा करके उन्हें एक अच्छा जीवन दिया जाए ताकि उसके बाद वह शारीरिक रूप से योगा और पढ़ाई करके एक टीचर के द्वारा अपना जीवन अच्छे से जी सकें।बच्चों के इलाज में एसकेएस हॉस्पिटल से डॉक्टर रोहित सिंह,आकाश आनंद मेडिकल से आकाश आनंद,बालाजी दरबार से महंत शिवम, अशोक श्रीवास्तव,लाइफस्टाइल कपड़े वालों से सजल गुप्ता, पवन यादव राम होटल आदि का बच्चों के इलाज, दवाई और जांचो में योगदान रहा।

मैक्सिविन पब्लिक स्कूल जहांगीरपुर में कबड्डी प्रतियोगिता का किया आयोजन

संस्कार उजाला
जहांगीरपुर/ (सुहैल खान)

मैक्सिविन पब्लिक स्कूल में कबड्डी प्रतियोगिता का शुभ आरंभ स्कूल के प्रबंधक योगेंद्र सैनी एवं प्रधानाचार्य खान चंद्र वर्मा जी खेलोउत्सव का फीता काटकर शुभारंभ किया विद्यालय के क्रीड़ा स्थल पर प्रभात शर्मा रिंकू शर्मा गौतम महेश गौतम माहेश्वरी कारण गौतम मनोहर सिंह कृष्ण शर्मा दीपक राजपूत शिव कुमार शर्मा गौरव चौहान संजीव कुमार कुलदीप कुमार समस्त स्टाफ ने अपना योगदान दिया

सिल्वर मेडल हासिल कर अपने पिता की तरह बेटे ने भी बढ़ाया जिले का मान।

संस्कार उजाला
रिपोर्टः- शरद मिश्रा शरद

लखीमपुर खीरी। अपने निशाने से लखीमपुर खीरी जनपद का नाम रोशन करने वाले नेशनल शूटर स्वर्ण पदक विजेता इंजी० जीएस सिंह के पुत्र विकास सिंह तोमर भी अपने पिता की तरह निशानेबाजी में जनपद लखीमपुर खीरी मान बढ़ाया है। अभी हाल ही में राजस्थान के जयपुर में इंडिया ओपन शॉट गन शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमे विकास सिंह तोमर ने 12 बोर क्लेपिजन डबल ट्रैप निशानेबाजी प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर लखीमपुर खीरी जनपद का मान बढ़ाया है। इससे पूर्व में भी विकास तोमर ने 2012 में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्तरप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक हासिल किया था। ये दो बार राष्ट्रीय खेलों में उत्तरप्रदेश की टीम से हिस्सा ले चुके है। विकास सिंह तोमर ने बताया की अपने पिता नेशनल शूटर स्वर्ण पदक विजेता इंजी० जीएस सिंह को

देखते हुए निशानेबाजी में रुचि आई। जिसके बाद इन्होंने अपने पिता जी से ट्रेनिंग लेनी शुरू की और उन्हें ही अपना निशानेबाजी का कोच मानते है। अभी दिसंबर से लेकर 25 जनवरी तक डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज नई दिल्ली में होने वाली 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में भी विकास तोमर प्रतिभाग करेंगे। विकास तोमर के पिता जी.एस सिंह उत्तरप्रदेश राज्य रायफल समूह के महासचिव भी है। विकास की इस सफलता से जनपद का नाम रोशन हुआ है और इनके परिवारीजनों के साथ इष्ट मित्रों द्वारा बधाई दी जा रही है।

भगवत भजन में भाव विभोर हुए भक्तगण

संस्कार उजाला
देवेंद्र कुमार मिश्रा

लखनऊ के सीतापुर रोड़ पर कर्मयोग जनकल्याण समिति एवं अवध सेवा संकल्प समिति के तत्वाधान में भागवत पार्क में श्रीमद्भागवत कथा के 7 वें दिन (विश्राम दिवस) पर आचार्य संतोष कथवच ने भक्तो को कथ के माध्यम बताया कि तीन तरह की लक्ष्मी होती है ।एक लक्ष्मी धर्म के पथ पर चलकर घर में आती है जो सुख प्रदान करती है दूसरी लक्ष्मी स्वार्थ सिद्धि के लिए आते हैं और तीसरी पाप मार्ग से घर में आती है आपके द्वारा कमाया गया धन परिवार में क्लेश लाता है। वही धन श्रेष्ठ है जो निर्बल दीन दुखियों की सहायता में लगे भगवान के भक्त अपने धन का एक हिस्सा धर्म के लिए खर्च करते हैं वही धर्म समस्त भक्तों की रक्षा करता है श्रीमद्भागवत कथा में राजा नृग की कथा बताई जिन्होंने अपने धर्म का पालन करते हुए बहुत सा दान किया लेकिन दान की हुई गाय को अपना मान लिया इसलिए अगले

जन्म में गिरगिटान बनना पड़ा भगवान भक्तों के ऊपर अनुग्रह करते हैं जिस जीव को कहीं प्यार से नहीं मिलता वह जीव भगवान की शरण में जाकर सुख को प्राप्त करता है श्रीमद्भागवत कथा में सुदामा चरित्र की संगीतमय कथा सुनाई गई। सुदामा भगवान का भक्त है और निर्माण है जो व्यक्ति के बीच अभिमान नहीं है वह सुदामा बन सकता है सुदामा भगवान के अनन्य मित्र हैं और उन्होंने भगवान की मित्रता से अपना जीवन भगवान के चरणों में समर्पित कर दिया।श्रीमद्भागवत में दत्तात्रेय जी ने कहा है- अपनी बुद्धि के अनुसार बहुत से गुरुओं का आश्रय लिया। मेरे गुरु हैं- पृथ्वी, वायु, आकाश, जल, अग्नि, चंद्रमा, सूर्य, कबूतर, अजगर, समुद्र, पतंग, भौंरा या मधुमक्खी, हाथी, शहद निकालने वाला, हरिण, मछली, पिंगला वेश्या, कुरर पक्षी, कन्या, बाण बनाने वाला, सर्प, मकड़ी और भृंगी कीट। किसी से मैंने धैर्य और क्षमा का पाठ पढ़ा तो किसी से यह सीखा कि जन्म तो दूसरों का हित करने के लिए ही हुआ है। किसी से यह कि जीवन निर्वाह हो, उतना ही भोजन करें। जल से सीखा कि शुद्ध, स्निग्ध, मधुरभाषी और लोकपावन होना चाहिए। अग्नि से सीखा कि मन और इंद्रियों को वश में रखें। चंद्रमा से सीखा कि सब शरीर के साथ होता है, आत्मा के साथ नहीं। सूर्य से सीखा कि योगी पुरुष समय पर विषयों का ग्रहण करते हैं और समय आने पर उनका दान भी कर देते हैं।कथा के 7दिवस सभी पर सभी भक्त उत्साहित थे। इसी के साथ कथा में संगीतमय वातावरण के साथ श्रीमद्भागवत कथा का पूणार्हुति के साथ समापन हुआ। कथा मैं आज मुख्य रूप से महादेवा के महंत पी ,बी, दास जी,डॉ ए ,के दुबे , धर्मदेव सिंह ,राम कुमार सिंह,नंदलाल गुप्ता ,श्याम सुन्दर शर्मा, निर्देश दीक्षित,सिंह वीर सिंह,अजीत सोनी,जितेंद्र सिंह,संजय सिंह, घनश्याम त्रिपाठी,फूल चंद शुक्ला,दिनेश पाठक,अनुज शुक्ला, हरनाम वर्मा,श्री कांत मिश्रा, इन्द्र प्रकाश जी,शुशील मोहन शर्मा, उमा प्रसाद पाण्डेय,राहुल सिंह,अजेन्द्र मिश्रा (रिशु), बॉबी पाठक,रेखा श्रीवास्तव, सुधा पाठक,ऋचा सचान,निर्मला वर्मा,आदि काफी संख्या में भक्त गण उपस्थित होकर भगवत महिमा का रसपान किये।

टैक्स चोरी की सूचना दो इनाम पाओ, हरियाणा सरकार की अनोखी पहल

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ (चंद्रशेखर धरणी) ~ हरियाणा में टैक्स चोरी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए एक बड़ी पहल करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की टैक्स चोरी करने वाले व्यक्ति/फर्मों की जानकारी देने वालों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा।

ऐसी जानकारी देने वाले व्यक्ति का नाम व उसकी जानकारी गुप्त रखी जाएगी। इस पहल के लिए आबाकारी एवं कराधान विभाग में शुरुआती तौर पर 2 करोड़ रुपये के फंड का प्रावधान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की टैक्स चोरी करने वाले व्यक्ति/फर्मों की जानकारी देने वालों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एक पोर्टल विकसित किया जाए, जिस पर कोई भी व्यक्ति नशा तस्करी की सूचना दे सके। ऐसी सूचना देने वाले व्यक्ति को भी सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। सूचना देने वाले व्यक्ति की जानकारी भी गुप्त रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा तस्करी को रोकने के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारी हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो व पुलिस के साथ समन्वय बनाते हुए मिलकर कार्य करें, ताकि नशे की समस्या को जड़ से खत्म किया जा सके। नकली शराब बनाने और इसकी तस्करी में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई करने के संबंध में निर्देश देते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ भारी जुर्माना लगाने सहित कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान विभाग द्वारा किया जाए। इसके अतिरिक्त ऐसे व्यक्तियों द्वारा काली कमाई से अर्जित की गई संपत्तियों को भी अटैच करने की दिशा में भी कार्रवाई की जाए।

सीएम ने कहा कि टैक्स चोरी और नकली शराब के मामलों में आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा एन्फोर्समेंट कार्रवाई के दौरान यदि मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना या उत्पाद मिलते हैं, तो संबंधित आरोपियों के खिलाफ पुलिस के साथ तालमेल करते हुए उचित कार्रवाई की जाए। इसके अलावा, अवैध शराब की टैक्स चोरी के प्रावधानों को और कड़ा किया जाएगा। साथ ही, पंजाब आबकारी अधिनियम, 1914 में भी बदलाव किए जाएंगे।उन्होंने निर्देश दिए किए गांवों में शराब के ठेकों को घर, स्कूलों व धार्मिक स्थानों से उचित दूरी पर ही स्थापित किए जाएं और ठेके स्थापित न करने के लिए ग्राम पंचायत का प्रस्ताव प्राप्त किया होना अनिवार्य हो।

मुख्यमंत्री ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छोटे व्यापारियों की लंबित टैक्स राशि के मामले को निपटाने के लिए एकमुश्त निपटान योजना लाई जाए।बैठक में बताया गया कि ओवरऑल जीएसटी संग्रहण के मामले में हरियाणा देश में पाँचवे स्थान पर है, जबकि बड़े राज्यों की श्रेणी में प्रति व्यक्ति जीएसटी संग्रहण के मामले में हरियाणा देश में मुख्य राज्यों में पहले स्थान पर है, जिसकी मुख्यमंत्री ने सराहना की। बैठक में बताया गया बजट अनुमान 2024-25 में आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व एकत्र होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री ने विभाग के अधिकारियों को अगले वित्तीय वर्षों में राजस्व बढ़ाने के लिए नई संभावनाओं को तलाशने के भी निर्देश दिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि विभाग की मैनपावर को बढ़ाया जाएगा, ताकि और अधिक प्रभावी ढंग से राजस्व एकत्र किया जा सकेगा। इसके अलावा, आबाकारी एवं कराधान अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भी राज्य सरकार द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा।

ढाई करोड़ रुपये के मोबाइल फोन हरियाणा से बरामद, वारदात मे शामिल आरोपी मौके से फरार

नूंह~ जिले की अपराध जांच शाखा (सीआईए) तावडू को बड़ी सफलता मिली है, जब उसने झारखंड से लूटे गए करीब ढाई करोड़ रुपये के मोबाइल फोन मेवात के गांव सकारस से बरामद किए। हालांकि, इस वारदात में शामिल चार आरोपी मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीआईए की टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली कि एक गिरोह ने झारखंड के धनबाद जिले से अमेजॉन की एक गाड़ी लूट ली थी, जिसमें रेडमी के मोबाइल फोन की 63 पेटियां रखी थीं। आरोपियों ने इन मोबाइल फोन को मेवात लाकर साकरस गांव के एक मकान में छिपा दिया था। पुलिस ने मौके पर छापा मारा और 1300 से अधिक मोबाइल फोन बरामद किए। यह घटना 30 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच हुई थी, जब गाड़ी चालक जाकिर ने मोबाइल फोन से भरी गाड़ी को लूटने के बाद उसे एक पेट्रोल पंप पर छोड़ दिया था। बाद में गाड़ी में नकली सील लगाकर इसे छोड़ दिया गया। गाड़ी मालिक की शिकायत पर धनबाद पुलिस ने मामला दर्ज किया और नूह पुलिस से सहयोग मांगा। इस पूरी कार्रवाई में तावडू सीआईए की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसने गिरोह के इस बड़े ऑपरेशन का पर्दाफाश किया। पुलिस अब आरोपियों की तलाश कर रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

यमुना नदी में नहाते समय डूबा 18 वर्षीय छात्र, घर से स्कूल में जाने की बात कहकर निकला था युवक

अंबाला। हरियाणा के अंबाला का 18 वर्षीय छात्र मोहित, जो अपने दोस्तों के साथ मिर्जापुर के खारा जल विद्युत परियोजना के पास यमुना नदी में नहाते समय डूब गया था, उसका शव तीन दिन बाद हरियाणा सीमा में मिला। बता दें कि हरियाणा प्रदेश के अंबाला शहर के एक स्कूल में पढ़ने वाला छात्र मोहित पुत्र मुन्नी लाल उम्र 18 वर्ष अपने अन्य दोस्तों के साथ चार दिन पहले घर से स्कूल में जाने की बात कहकर निकला था। जो अपने दोस्तों के साथ घूमते हुए पहले मिर्जापुर थाना क्षेत्र के खारा जल विद्युत परियोजना से ऊपर पंच मुखी महादेव मंदिर में पहुंचा और मंदिर में दर्शन करने के बाद नहाने के लिए यमुना नदी में पहुंचा था, जहां गहरे पानी में डूब गया था। शुक्रवार को डूबे छात्र का शव हथिनीकुण्ड बैराज से कुछ दूरी पर हरियाणा की सीमा में यमुना की नदी में दिखाई दिया। सूचना पर यूपी व हरियाणा पुलिस एवं मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकलवाया। मामला हरियाणा की सीमा का होने के कारण हरियाणा पुलिस कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने में लगी है। थाना प्रभारी बीनू चौधरी ने बताया कि शव हरियाणा की सीमा में मिला है। इसलिए पोस्ट मार्टम आदि की सभी कार्यवाही हरियाणा पुलिस द्वारा करायी जायेगी।

फरीदाबाद में संदिग्ध हालत में युवक की मौत : भाई के साथ पी थी शराब, सिर पर मिले चोट के निशान

फरीदाबाद । फरीदाबाद के कल्याणपुरी इलाके में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक के शरीर पर मिले चोट के निशान मिले हैं। मृतक की पहचान चारु (24) के रुप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में भिजवाया है। मृतक के भाई गोविंदा ने बताया कि दोनों भाईयों ने रात को एक साथ शराब पी रहे थे। इस दौरान शराब पीने के बाद उनमें कहासुनी के साथ हाथापाई हो गई। इस हाथापाई में मृतक चारु का सिर दीवार से जा लगा और वह जमीन पर गिर गया। मुझे लगा नशे में होने के कारण वह नहीं उठ रहा है। मैनें उसे उठाने की भी कोशिश की लेकिन वह उठ नहीं सका। इस दौरान उसकी मौत हो गई।

सिर पर मिले चोट के निशान

इस मामले की जानकारी देते हुए तीन नंबर चौकी इंचार्ज सोमपाल ने बताया कि उन्हें कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि कल्याणपुरी इलाके में एक युवक की मौत हो गई है। इसके बाद वह पुलिस टीम के साथ जब मौके पर पहुंचे तो पाया कि एक युवक चारपाई के पास नीचे जमीन पर पड़ा था। जिसके सिर पर चोट के निशान थे। मौके पर मामले की जानकारी जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए फरीदाबाद की सिविल अस्पताल में भिजवाया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

दोनों भाइयों चल रहा था केस

वहीं दोनों भाइयों की बहन ने बताया कि मृतक के भाई गोविंदा और मृतक पर गोविंदा की पत्नी की हत्या के आरोप में केस भी चल रहा था। गोविंदा कुछ दिन पहले ही जेल से बाहर आया था। फिलहाल पुलिस इस केस की बारीकी से जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किए हैं।

फतेहाबाद के स्कूल में टीचर का किया था मर्डर, गैंगस्टर काला खैरमपुरिया की कोर्ट में पेशी

फतेहाबाद । जिले के गांव रामसरा में सरकारी के टीचर की हत्या के मामले में आरोपी गैंगस्टर राकेश उर्फ काला खैरमपुरिया को शनिवार पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। पुलिस के अनुसार काला खैरमपुरिया के कहने पर स्कूल में घुसकर बदमाशों ने मृतक टीचर जितेंद्र पर फायरिंग की थी। मामला शराब ठेकों की बात को लेकर था। बता दें कि ये घटना 1 मार्च, 2021 को हुई थी। पुलिस ने मृतक जितेंद्र के चचेरे भाई स्टालिन की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। पुलिस इस मामले में पहले 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं राकेश उर्फ काला खैरमपुरिया व हिसार निवासी अनिल पर 25 हजार रुपये का इनाम भी था।

करंट लगने से कर्मी की मौत, लाइन पर कर रहा था काय....ˋलापरवाही के कारण हुआ हादसा

नारनौल~ अटेली बिजली पावर हाउस में उनिंदा डीएस गोकलपुर में बिजली ठीक करने वाले कर्मी (एएलएम) की करंट लगने से शुक्रवार को मौत हो गई। बिजली कर्मी डीसी रेट पर पिछले 16 वर्षों से अपनी सेवा दे रहा था। कर्मी परमिट लेकर लाइन पर कार्य कर रहा था, लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण हादसा हुआ। सूचना पाकर अन्य बिजली कर्मी उसे अटेली अस्पताल (॥श्ह्यश्चद्बह्लड्डद्य) में लेकर आए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शव का पोस्टमार्टम नारनौल अस्पताल में करवाया जाएगा। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

बता दें कि बिजली कर्मी अटेली गांव का रहने वाला था। वह अटेली पावर उपमंडल निगम में पिछले 16 वर्षों से एएलएम के पद पर अपनी सेवा दे रहा था। वह अपने पीछे पत्नी व एक लड़का छोड़ गया है। जानकारी अनुसार शुक्रवार दोपहर दो बजे अटेली ऑपरेशन सब डिवीजन के उनिंदा डीएस पर करण सिंह एएलएम परमिट लेकर बिजली लाइन पर मरम्मत का काम कर रहा था।

हरियाणा में 9 दिसंबर को पीएम का दौरा: पुलिस हाई अलर्ट पर, कार्यक्रम में महिलाओं को देंगें ये तोहफा

पानीपत । हरियाणा के पानीपत में पीएम मोदी 9 दिसंबर को आ रहे हैं। यहां से पीएम बीमा सखी योजना का शुभारंभ करेंगे। इस दौरे को लेकर पानीपत के DSP सतीश वत्स ने बताया सुरक्षा के लिए पुलिस हाई अलर्ट पर है। अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की गई है। लगातार इस जगह की ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसंबर को पानीपत के सेक्टर 13-17 में आएंगे। इस कार्यक्रम में पीएम बीमा सखी योजना का शुभारंभ करेंगे। केंद्र सरकार की इस योजना का उद्देश्य देश की महिलाओं को स्वरोजगार देना है। इसके तहत महिलाएं अपने गांव या फिर अपने ग्रह स्थान पर रहकर भी काम कर सकेंगी। पीएम की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन प्लानिंग में जुटा है। अतिरिक्त सुरक्षा बल के लिए DGP को पत्र लिखा गया है। मधुबन, करनाल व सोनीपत से अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सैनी, मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर चुके हैं। इसको लेकर लगातार कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया जा रहा है।

हरियाणा में लग रहे समाधान शिविरों को लेकर बड़ी खबर, सीएम ने दिए ये निर्देश...होगा ये खास काम

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने आवास संत कबीर कुटीर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविरों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इन शिविरों का लाइव टेलीकास्ट करने के निर्देश भी दिए ताकि वे अपने आवास पर स्थित वॉर रूम से किसी भी समय किसी भी दिन अधिकारियों एवं नागरिकों से सीधे बात कर सकें। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने फतेहाबाद, रोहतक, यमुनानगर और झज्जर के शिविरों में आए नागरिकों से सीधा संवाद किया और अधिकारियों को बिना किसी विलंब के उनकी समस्याओं का निवारण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर किसी पॉलिसी के चलते नागरिक के आवेदन को रिजेक्ट किया गया है तो उसका कारण विवरण सहित पोर्टल पर अपडेट करें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने जुलाई के महीने से ही सभी जिलों में समाधान शिविर लगाने के निर्देश दिये थे, जिनमे अब तक 88,624 आवेदन प्राप्त हुए हैं और 67,240 का समाधान कर दिया गया है। इन शिविरों में हर रोज दो घंटों के लिए एक ही स्थान पर बैठ कर डीसी की अध्यक्षता में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर ही लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका निवारण करते हैं।

खास बात है कि जिन आवेदनों का निवारण जिले के अधिकारियों द्वारा कर दिया जाता है, उन आवेदकों को मुख्यमंत्री आवास स्थित कन्फर्मेशन सेल से कॉल करके उनके काम एवं संतुष्टि के बारे में फीडबैक लिया जाता है, जिसकी रिपोर्ट हर हफ्ते मुख्यमंत्री स्वयं देखते हैं। इन शिविरों में अब तक मुख्य रूप से पीपीपी, प्रॉपर्टी आईडी, सफाई व्यवस्था तथा अन्य सभी प्रकार की समस्याओं का हल किया गया है। मुख्य सचिव ने नगर निगमों में जिला नगर आयुक्तों की अध्यक्षता में भी इन शिविरों को चलाने के निर्देश दिए हैं।

शराब के ठेकों को घर, स्कूलों व धार्मिक स्थानों से उचित दूरी पर किए जाऐं स्थापित: नायब सैनी

चंडीगढ़ । मुख्यमंत्री नायब सैनी ने निर्देश दिए किए गांवों में शराब के ठेकों को घर, स्कूलों व धार्मिक स्थानों से उचित दूरी पर ही स्थापित किए जाएं और ठेके स्थापित न करने के लिए ग्राम पंचायत का प्रस्ताव प्राप्त किया होना अनिवार्य हो। मुख्यमंत्री ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छोटे व्यापारियों की लंबित टैक्स राशि के मामले को निपटाने के लिए एकमुश्त निपटान योजना लाई जाए।

आबाकारी एवं कराधान अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भी राज्य सरकार द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा।बैठक में मुख्य सचिव डॉ विवेक जोशी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, आबकारी एवं कराधान विभाग के प्रधान सचिव श्री देवेंद्र कल्याण, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, आबकारी एवं कराधान आयुक्त श्री अशोक कुमार मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। हरियाणा में टैक्स चोरी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए एक बड़ी पहल करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की टैक्स चोरी करने वाले व्यक्ति/फर्मों की जानकारी देने वालों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। ऐसी जानकारी देने वाले व्यक्ति का नाम व उसकी जानकारी गुप्त रखी जाएगी। इस पहल के लिए आबाकारी एवं कराधान विभाग में शुरुआती तौर पर 2 करोड़ रुपये के फंड का प्रावधान किया जाएगा।मुख्यमंत्री आज यहां आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एक पोर्टल विकसित किया जाए, जिस पर कोई भी व्यक्ति नशा तस्करी की सूचना दे सके। ऐसी सूचना देने वाले व्यक्ति को भी सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। सूचना देने वाले व्यक्ति की जानकारी भी गुप्त रखी जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा तस्करी को रोकने के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारी हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो व पुलिस के साथ समन्वय बनाते हुए मिलकर कार्य करें, ताकि नशे की समस्या को जड़ से खत्म किया जा सके।'

नकली शराब की तस्करी में संलिप्त लोगों पर अब होगी कड़ी कार्रवाई

नकली शराब बनाने और इसकी तस्करी में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई करने के संबंध में निर्देश देते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ भारी जुर्माना लगाने सहित कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान विभाग द्वारा किया जाए। इसके अतिरिक्त ऐसे व्यक्तियों द्वारा काली कमाई से अर्जित की गई संपत्तियों को भी अटैच करने की दिशा में भी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि टैक्स चोरी और नकली शराब के मामलों में आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा एन्फोर्समेंट कार्रवाई के दौरान यदि मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना या उत्पाद मिलते हैं, तो संबंधित आरोपियों के खिलाफ पुलिस के साथ तालमेल करते हुए उचित कार्रवाई की जाए।

भागवत सेवा समिति बरवाला ने बरवाला शहर में निकाली मंगल कलश यात्रा

संस्कार उजाला

हरियाणा/ हिसार (गरिमा) : भागवत सेवा समिति बरवाला के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ से पूर्व बरवाला शहर में मंगल कलश यात्रा निकाली गई` प्रबंधक महाबीर प्रसाद मित्तल ने बताया कि यह मंगल कलश यात्रा अग्रसैन धर्मशाला से आरंभ होकर मेन रोड, पुराना बस अड्डा व मेन बाजार से होती हुई अग्रवाल धर्मशाला बरवाला में संपन्न हुई` इस मंगल कलश यात्रा में सैकड़ों महिला श्रद्धालुओं ने अपने अपने सिर पर कलश उठाए हुए थे और श्रद्धालुओं द्वारा नाच गाकर एवं रंग गुलाल उड़ाते हुए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपनी धार्मिक आस्था व्यक्त की गई` इस दौरान अग्रवाल धर्मशाला बरवाला में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ किया गया` श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के प्रथम दिन वृंदावन से आए पंडित सुरेश चंद्र शास्त्री द्वारा अपने मधुर कंठ से श्री भागवत महात्म्य एंव शुकदेव के जन्म का प्रवचनों एवं भजनों के माध्यम से गुणगान किया गया` मंच संचालन अजीत मेहता ने किया` यह कथा 5 दिसंबर तक चलेगी और 6 दिसंबर को प्रातः हवन किया जाएगा और दोपहर को भंडारा चलाया जायेगा` इस अवसर पर राजेश मित्तल, मास्टर प्रदीप कथूरिया, डॉ सुभाष चोपड़ा, मदन लाल चावला, विकास चोपड़ा, कृष्ण मित्तल, मोनू चोपड़ा, अशोक सरदाना, गगनदीप कथूरिया, राजू मिस्त्री, विकास मित्तल, पंकज कथूरिया, आशा चुघ व पार्षद मीनू शर्मा समेत सैकड़ों की तादाद में श्रद्धालुगण मौजूद रहे

कामयाबी के लिए खुद पर विश्वास करना जरूरी : सोनू

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में बेस्ट रेडर रहे अंकित का जीवीएस स्कूल में किया सम्मान

संस्कार उजाला

हरियाणा/हिसार (गरिमा) : ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में बेस्ट रेडर रहे अंकित कुमार का जीवीएस इंटरनेशनल स्कूल दुबेटा में सम्मान समारोह किया गया। इस अवसर पर स्कूल डायरेक्टर सोनू पंघाल ने कहा कि जीवन में कामयाबी पाने के लिए खुद पर यकीन रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इंसान अपने कर्मों से महान बनता है। अंकित इसी स्कूल के विद्यार्थी भी रहे हैं। कबड्डी में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंकित ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप कार्य कोई भी करें बस उसे लगन, मेहनत और ईमानदारी से करें, तो एक दिन सफलता आपके कदम जरूर चूमेगी। इस अवसर पर प्राचार्य प्रदीप सूरा ने कहा कि अंकित ने ग्राउंड स्तर पर मेहनत की और उसी का यह परिणाम है कि आज वह बुलंदियों को छू रहा है। जीवीएस इंटरनेशनल स्कूल हर क्षेत्र में विशेष पहचान बना रहा है। इस अवसर पर समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

पराली को लेकर कृषि विभाग के दावे पर उठ रहे सवाल, रतिया में गेहूं की फसल को सफाचट कर रही सुंडी

फतेहाबाद । फतेहाबाद के रतिया क्षेत्र में कुछ किसानों के खेतों में गेहूं की नई बीजी गई फसल को सुंडी चट कर गई है, जिससे किसानों में काफी रोष है। किसानों का कहना है कि सुंडी सिर्फ उन्हीं किसानों की फसल में लगी है, जिन्होंने प्रशासन के कहने पर धान की पराली को सुपरसीडर से जमीन में दबाकर गेहूं की बिजाई की थी। किसान अब प्रशासन से खेतों का मुआयना कर मुआवजा देने की मांग उठा रहे हैं।

किसानों को फसल का हुआ नुकसान

रतिया के लाली रोड के किसान बूटा सिंह ने बताया कि उसने करीब 13 एकड़ में गेहूं की फसल सुपरसीडर से बीजी है। इसमें 10 के करीब एकड़ ठेके पर ली गई जमीन है। उसने प्रशासन के कहने पर पराली नहीं जलाई बल्कि खेतों में ही दबा कर गेहूं बीज दी। अब गेहूं की जड़ों में सुंडी लग चुकी है। उन्होंने इस पर दवा भी छिड़क दी, लेकिन सुंडी सारी फसल चौपट कर चुकी है। अब दोबारा से उसे गेहूं की बिजाई करनी पड़ेगी। आसपास अन्य किसानों के खेतों में फसल सही है। उधर दूसरे किसान बलजीत सिंह ने बताया कि उसके खेतों में भी सुपर सीडर से बीजी गई सारी गेहूं की फसल को सुंडी लग चुकी है। वह भी अब दोबारा गेहूं बीजने की तैयारी में है और पहले की गई बिजाई पर उसका हजारों रुपये का खर्चा और समय व्यर्थ गया।

खेतों का मुआयना कर की मुआवजा देने की मांग

वहीं मामले की सूचना मिलने पर संयुक्त किसान मोर्चा के नेता निर्भय सिंह अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और खेतों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों के साथ मिलकर गेहूं के पौधे उखाड़कर उसमें जीवित सुंडी भी दिखाई। उन्होंने बताया कि हर बूटे पर सुंडी लगी हुई है। प्रशासन की टीमें पहले यह तो देख रही थी कि कौन से किसान आग लगा रहे हैं, लेकिन वह टीमें अब यह नहीं देख पा रही कि किस किसान की फसल तबाह हो रही है। इस बारे में वे पराली जलाने की निगरानी करने वाले सुपरवाइजरों से मिले, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया। डीसी व कृषि अधिकारियों के समक्ष भी मामला रखा है। डीडीए का कहना है कि यह सुंडी अपने आप पैदा होकर कुछ समय बाद अपने आप ही खत्म हो जाएगी। जबकि किसानों ने दवा का छिड़काव भी कर दिया, सुंडी अभी भी पौधे खा रही है। ऊपर से खाद व दवा का खर्चा अलग से हो गया। उन्होंने किसानों के खेतों का मुआयना कर मुआवजा देने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

कैमरून में नाव पलटने से 20 लोगों की मौत

याउंडे, एजेंसी। प्रत्यक्षदर्शियों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार कैमरून के सुदूर उत्तरी क्षेत्र में एक नाव के पलट जाने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि नाव गुरुवार को उस समय पलट गई, जब वह क्षेत्र के लोगोन-एट-चारी डिवीजन में दाराक द्वीप से यात्रियों को ले जा रही थी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि और अधिक लोगों के हताहत होने की आशंका है, क्योंकि बचावकर्मी और अधिक पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए औपचारिक जांच शुरू कर दी गई है। जांच चल रही है इसलिए अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। इस क्षेत्र में नाव दुर्घटनाएं आम हैं, जो अक्सर ओवरलोडिंग, गलत तरीके से संचालन और खराब मौसम के कारण होती हैं। कैमरून मध्य और पश्चिम अफ्रीका में स्थित एक देश है। जो गिनी की खाड़ी के किनारे बसा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले से तिलमिलाए बाइडन, बोले- कीव की तुरंत मदद करने की जरूरत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में अब कुछ ही दिन का समय बचा है और यही वजह है कि वे यूक्रेन को लेकर परेशान हैं। खासकर रूस ने यूक्रेन पर जो ताबड़तोड़ हमले किए हैं, उसके बाद तो बाइडन तिलमिला गए हैं। जो बाइडन ने गुरुवार को कहा कि रूस के यूक्रेन पर ताजा हमले बताते हैं कि हमें यूक्रेन की तुरंत मदद करने की जरूरत है। दरअसल जो बाइडन को चिंता है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को मदद देनी बंद कर दी, तो इससे यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। बाइडन की चिंता जायज भी है क्योंकि ट्रंप ने ऐसे संकेत दिए भी हैं कि वे यूक्रेन को दी जाने वाली मदद की समीक्षा करेंगे। रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर बड़ा हमला करते हुए करीब 200 मिसाइलें दागीं। रूसी हमले में यूक्रेन के पावर ग्रिड को भारी नुकसान हुआ है, जिसकी वजह से लाखों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। गुरुवार को बाइडन ने कहा कि इस दिन मेरा यूक्रेन के लोगों को संदेश साफ है, अमेरिका आपके साथ खड़ा है। गौरतलब है कि फरवरी 2022 के बाद से अब तक अमेरिका रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को 60 अरब डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद दे चुका है। वहीं जनवरी में अमेरिका के नए राष्ट्रपति बनने जा रहे ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध खत्म करने का वादा किया है। यूक्रेन को भी डर है कि ट्रंप उसकी वित्तीय मदद रोक सकते हैं या फिर कम कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप-राजदूत ने भी बुधवार को एक बयान में यही बात कही कि ट्रंप, यूक्रेन की मदद रोक देंगे, जो यूक्रेन की सेना के लिए मृत्युदंड जैसा होगा। जो बाइडन भी ये जानते हैं तभी बीते दिनों उन्होंने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में बड़ा फैसला करते हुए यूक्रेन को रूस के भीतरी इलाकों में लंबी दूरी की मिसाइलों के हमले की मंजूरी दे दी थी। जिसके चलते रूस ने अमेरिका समेत पश्चिमी देशों को धमकी देते हुए कहा था कि इसके गंभीर परिणाम होंगे।

बलूचिस्तान असेंबली में पीटीआई को बैन करने का प्रस्ताव पास

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी में इमरान खान के समर्थकों के उग्र प्रदर्शन से घबराई सरकार ने सेना उतार दी थी। इन विरोध प्रदर्शनों में 10 लोगों की जान चली गई। इसी बीच बलूचिस्तान विधानसभा में गुरुवार को इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को बैन करने का प्रस्ताव पास किया गया है। पाकिस्तानी मीडिया को सत्ताधारी पीएमएल-एन नेता राणा सनाउल्लाह ने बताया कि इस प्रस्ताव के दौरान विपक्षियों ने वॉकाउट कर दिया। उन्होंने कहा कि अब भी पार्टी के लिए बातचीत का रास्ता खुला हुआ है। बता दें कि इमरान खान के समर्थक इस्लामाबाद में बड़ा विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान 6 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। इसके बाद सेना को भी इस प्रदर्शन को कुचलने की छूट दे दी गई। फायरिंग में भी कई लोगों की मौत की सूचना है। बताया जाता है कि इस प्रदर्शन की बागडोर इमरान खान की पत्नी बूशरा बीबी के हाथ में थी। इमरान खान खुद इस समय जेल में हैं। बलूचिस्तान के मंत्री मीर सलीम अहमद खोसा ने पाटीआई को बैन करने का प्रस्ताव सदन में रखा था। उन्होंने कहा था कि पीटीआई के ही लोगों ने 9 मई 2023 को हिंसा फैला दी थी। उन्होंने कहा कि पीटीआई जिस तरह की सोच रखती है उससे हमारे देश का मीडिया, अर्थव्यवस्था और न्यायपालिका सब प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा के संसधाधनों का भी इस्तेमाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में किया जा रहा है। वहीं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफके सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि यह प्रांत के स्तर का फैसला है। इसको लेकर कैबिनेट में भी बातचीत हुई थी लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। खैबर पख्तूनख्वा में राज्यपाल शासन लगाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह कठिन काम है। हालांकि सहमति बनाने के बाद यह भी एक विकल्प है। सनाउल्लाह ने कहा कि अगर पीटीआई से बातचीत की जाती है और बार-बार हमारा अपमान होता है।

सीरिया में नहीं थम रहा संघर्ष, अलेप्पो में 200 से अधिक की मौत; विद्रोहियों ने प्रमुख राजमार्ग को काटा

दमिश्क, एजेंसी। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि एक दिन पहले, जिहादी समूह हयात तहरीर अल-शाम और उसके सहयोगी गुटों ने उत्तरी अलेप्पो प्रांत के सरकारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर अचानक हमला कर दिया। इससे भीषण लड़ाई शुरू हो गई। अलेप्पो के बाहरी इलाके पर कब्जे को लेकर सीरियाई सरकार और विद्रोहियों के बीच संघर्ष तेज हो गया है। रूसी लड़ाकू विमान सीरियाई सेना के साथ मिलकर विद्रोहियों के कब्जे वाले अलेप्पो के पूर्वी इलाके में लगातार हवाई हमले कर रहे हैं। इस बीच, जिहादी लड़ाकों ने गुरुवार को दमिश्क से अलेप्पो तक जाने वाले राजमार्ग को काट दिया। इस आक्रामक अभियान के दौरान करीब 200 लोग मारे गए हैं। एक निगरानीकर्ता का कहना है कि जिन लोगों की जान गई है उनमें रूसी वायु सेना के हमलों में मारे गए नागरिक भी शामिल हैं।

जिहादियों ने अचानक किया हमला : सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि एक दिन पहले, जिहादी समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) और उसके सहयोगी गुटों ने उत्तरी अलेप्पो प्रांत के सरकारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर अचानक हमला कर दिया। इससे तनाव के बीच सबसे भीषण लड़ाई शुरू हो गई।

अब तक 182 की मौत : निगरानीकर्ता ने कहा कि चल रही लड़ाई में मरने वालों की संख्या बढ़कर 182 हो गई है, जिसमें एचटीएस के 102 लड़ाके, सहयोगी गुटों के 19 और 61 शासन बलों और संबद्ध समूहों के लड़ाके शामिल हैं।

रूसी हमले में इतने लोगों की गई जान : निगरानी संस्था के प्रमुख रामी अब्देल रहमान ने कहा, अलेप्पो के ग्रामीण इलाकों में गुरुवार को रूसी हवाई हमलों में 19 नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले सीरियाई सेना की गोलाबारी में एक अन्य नागरिक की मौत हो गई थी।

सीरियाई राष्ट्रपति का करीबी सहयोगी है रूस : रूस सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद का करीबी सहयोगी है और उसने 2015 में पहली बार सीरिया के गृहयुद्ध में हस्तक्षेप किया था, जिससे संघर्ष का रुख राष्ट्रपति के पक्ष में हो गया, जिनकी सेनाएं कभी देश के केवल पांचवें हिस्से पर नियंत्रण रखती थीं।

इन मार्गों को किया प्रभावित : ब्रिटेन स्थित निगरानी संस्था ने कहा कि एचटीएस और उसके सहयोगी गुटों, जिनमें पड़ोसी तुर्की द्वारा समर्थित समूह भी शामिल हैं, ने दमिश्क-अलेप्पो अंतरराष्ट्रीय एम5 राजमार्ग को काट दिया। इसके अलावा एम4 और एम5 राजमार्गों के बीच जंक्शन को भी नियंत्रित कर लिया है। सीरिया के अंदर सूत्रों का नेटवर्क रखने वाली निगरानी संस्था ने कहा, वर्षों पहले शासन बलों द्वारा फिर से खोले जाने के बाद राजमार्ग को अब सेवा से बाहर कर दिया गया है। एम5 और एम4 राजमार्गों का जंक्शन राजधानी और शासन के तटीय गढ़ लताकिया को क्रमशः दूसरे शहर अलेप्पो से जोड़ता है।

14 हजाप से अधिक लोग हुए विस्थापित : मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने कहा कि हिंसा के कारण 14,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं जिनमें से लगभग आधे बच्चे हैं। सीरिया एक दशक से अधिक समय से गृह युद्ध की चपेट में है, हालांकि हाल के वर्षों में संघर्ष की तीव्रता में कमी आई है।

46 मिलिट्री बेस पर कब्जे का दावा : सीरिया के विद्रोही गुटों ने टेलीग्राम पर दावा किया है कि उन्होंने सीरियाई सरकार के 46 सैन्य अड्डों को कब्जे में ले लिया है। वे सिर्फ 10 घंटों के भीतर अलेप्पो शहर के कई गांव पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। हालांकि सीरियाई सरकार ने इन दावों पर कुछ नहीं कहा है। 2020 में तुर्किये की मदद से विद्रोहियों और असद सरकार के बीच एक समझौता कराया गया था, जिससे वहां बड़े हमलों में कमी आई थी। 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत हुई थी। साल 2000 से सीरिया के सत्ता में काबिज बशर अल असद की तानाशाही सरकार के खिलाफ लोकतंत्र समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। इसके बाद एक फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सउदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच यहां आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने भी अपने पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छुटपुट झड़प ही हुई हैं।

नहीं थम रहीं शेख हसीना की मुश्किलें; आईसीसी में मुकदमा चलाना चाहता है बांग्लादेश, यूनुस ने दिए संकेत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उनके सामने और मुसीबत बढ़ सकती हैं। दरअसल, ढाका ने अपदस्थ हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में मुकदमा चलाने की मांग की है, जबकि वह मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों में घरेलू न्यायाधिकरण में मुकदमे का सामना कर रही हैं।

आईसीसी के अभियोजक से की मुलाकात : यह जानकारी देश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को दी। उनकी प्रेस शाखा के एक अधिकारी ने कहा, मुख्य सलाहकार यूनुस ने हसीना के खिलाफ मुकदमे के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के अभियोजक करीम ए खान से चर्चा की, जिन्होंने जमुना स्थित उनके आधिकारिक आवास पर उनसे मुलाकात की।

पहले से ही दर्जनों मामले : बांग्लादेश में सरकारी नौकरी में आरक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद हसीना पांच अगस्त को भारत चली गई थीं। तीन दिन बाद ही नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के तौर पर कार्यभार संभाला था। सत्ता छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने दर्जनों केस दर्ज किए हैं, जिनमें मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप भी शामिल है। हसीना के अलावा उनके मंत्रिमंडल के कई सदस्यों के खिलाफ भी आरोप लगाए गए हैं।

इन पर चर्चा की : मोहम्मद यूनुस और करीम खान के बीच बुधवार को बैठक हुई। इस दौरान अंतरिम सरकार ने इस बात की जानकारी दी कि बांग्लादेश हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ आरोपों को आगे बढ़ाने का इरादा रखता है। हसीना पर इल्जाम है कि उनके साशन काल में बड़े पैमाने पर विद्रोह और नरसंहार हुए। दोनों ने रोहिंग्या संकट और उनके लिए मानवीय सहायता के साथ-साथ म्यांमार के मिलिटरी प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग के खिलाफ गिरफ्तारी के लिए औपचारिक वारंट का अनुरोध पर भी चर्चा की।

पिछले महीने मानवीय चूक के कारण डूबा था न्यूजीलैंड नौसेना का जहाज, जांच में खुलासा

वेलिंगटन, एजेंसी। पिछले महीने समोआ के तट पर रॉयल न्यूजीलैंड नौसेना का एक जहाज फंसने के बाद डूब गया था। हालांकि, जहाज पर सवार 75 यात्री और चालक दल सुरक्षित बचा लिए गए थे। अब एक जांच में खुलासा हुआ है कि नौसेना का एक जहाज मानवीय भूल के कारण फंस गया था। नौसेना का विशेषज्ञ गोताखोर और हाइड्रोग्राफिक जहाज एचएमएनजेडएस मनावानुई पांच अक्तूबर को सर्वेक्षण कार्य करते समय समोआ के दक्षिणी किनारे पर एक चट्टान पर फंस गया था। न्यूजीलैंड की नौसेना के प्रमुख रियर एडमिरल गेविन गोल्डिंग ने शुक्रवार को बताया, जमीन पर फंसने का सीधा कारण मानवीय भूल है, जिसका मतलब है कि जहाज का ऑटोपायलट उस समय बंद नहीं हुआ जब उसे बंद होना चाहिए था। चालक दल को एहसास नहीं हुआ कि जहाज ऑटोपायलट में था और परिणामस्वरूप सोचा कि दिशा परिवर्तन का जवाब देने में इसकी नाकामयाबी थ्रस्टर नियंत्रण विफलता का परिणाम थी। गोल्डिंग ने कहा कि चालक दल द्वारा गलती को नोटिस न करने के कारणों का पता एक व्यापक जांच का हिस्सा होगा, जिसे अगले साल की पहली तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है।

ईरान की धमकी- शिकंजा कसा तो परमाणु हथियार पर बैन हटाएंगे; नेतन्याहू बोले- रोकने के लिए कुछ भी करेंगे

तेहरान/यरुशलम, एजेंसी। बीते एक साल से ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच जंग जारी हैं। वहीं, इस युद्ध की लपटें लेबनान और ईरान तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, शांति की एक पहल के रूप में इस्राइल और हिजबुल्ला ने शुरुआती दो महीने के लिए युद्ध विराम कर लिया है।इस बीच, ईरान और इस्राइल के बीच तनातनी दिख रही। एक तरफ तेहरान धमकी दे रहा है कि अगर पश्चिमी देशों ने उस पर फिर से प्रतिबंध लगाए तो वह परमाणु हथियार हासिल करने पर लगे प्रतिबंध को खत्म कर सकता है। वहीं, इस पर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी साफ-साफ कह दिया कि वह ईरान को रोकने के लिए सब कुछ करेंगे।

इन तीन देशों के साथ करने वाला चर्चा : ईरान शुक्रवार को अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी से मिलने वाला है। इसके पीछे का कारण यह है कि तीनों देशों की सरकारों ने संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था द्वारा तेहरान की निंदा करवाने के लिए अमेरिका के साथ हाथ मिला लिया है।

ट्रंप के सत्ता से पहले बातचीत का संकेत : पिछले सप्ताह की फटकार के बाद तेहरान ने एक विद्रोही प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। मगर, उसके अधिकारियों ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने से पहले दूसरों के साथ बातचीत करने की इच्छा का संकेत दिया है। ईरान शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा के अपने अधिकार पर जोर

देता है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अनुसार, यह एकमात्र गैर-परमाणु-हथियार वाला देश है, जो 60 प्रतिशत तक यूरेनियम को समृद्ध कर रहा है।

तेहरान में हताशा बहस को दे रही हवा : ईरान के शीर्ष राजनयिक ने इस मामले पर बात करने से पहले गुरुवार को एक इंटरव्यू में कहा कि अगर पश्चिमी देशों ने उन पर फिर से प्रतिबंध लगाए तो ईरान परमाणु हथियार हासिल करने पर लगा प्रतिबंध समाप्त कर सकता है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि प्रतिबंध हटाने जैसी प्रतिबद्धताओं को पूरा न किए जाने पर तेहरान में हताशा इस बहस को हवा दे रही है कि क्या देश को अपनी परमाणु नीति में बदलाव करना चाहिए। हमारा अभी ऐसा कोई इरादा नहीं उन्होंने ब्रिटेन के एक अखबार से कहा, फिलहाल हमारा 60 प्रतिशत से आगे जाने का कोई इरादा नहीं है और अभी हमारा यही दृढ़ संकल्प है। मगर, ईरान में और अधिकतर अभिजात वर्ग के बीच यह बहस चल रही है कि क्या हमें अपने परमाणु सिद्धांत को बदलना चाहिए क्योंकि अब तक यह व्यवहार में नहीं दिखा है। तेहरान और प्रमुख शक्तियों के बीच 2015 के परमाणु समझौते का उद्देश्य ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के बदले में पश्चिमी प्रतिबंधों से राहत देना था ताकि वह हथियार क्षमता विकसित करने से रोक सके। तेहरान ने लगातार परमाणु हथियार बनाने के किसी भी इरादे से इनकार किया है। ईरान को रोकने के लिए सबकुछ करेंगे इस बीच, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए इस्राइल सब कुछ करेगा। उन्होंने कहा, मैं इसे परमाणु (शक्ति) बनने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा, मैं सभी संसाधनों का उपयोग करूंगा। इस्राइल इस क्षेत्र का एकमात्र भले ही अघोषित परमाणु-सशस्त्र राज्य है।

इंग्लैंड और वेल्स ला रहा है मरने के अधिकार को लेकर नया बिल

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड और वेल्स में एक नया बिल काफी चर्चा में है। यह बिल मरने के अधिकार को लेकर है। यह बिल यहां की संसद सदस्य किम लीडबीटर लेकर लेकर आ रही हैं। प्रस्तावित बिल के मुताबिक ऐसे बुजुर्ग, जिनके छह महीने के अंदर मर जाने की संभावना है, वह इसका लाभ ले सकेंगे। हालांकि इसका इस्तेमाल करने के लिए उन्हें खुद फैसला लेना होगा और इसके लिए उनका मानसिक तौर पर स्वस्थ होना भी जरूरी होगा। हालांकि इस बिल को लेकर अब वहां पर बहस छिड़ गई है। तमाम लोगों का कहना है कि इसका दुरुपयोग होने की संभावना काफी ज्यादा है।

कैसे करेगा काम : मरने के अधिकार पर कानून बनने के बाद इसके लिए खास प्रॉसेस होगा। इसके तहत मरने के इच्छुक व्यक्ति को दो अलग घोषणापत्र बनाने होंगे। यह घोषणापत्र गवाहों की मौजूदगी में बनेंगे और इस पर उस व्यक्ति के हस्ताक्षर भी होंगे। इसके अलावा दो स्वतंत्र डॉक्टर इस बात की पुष्टि करेंगे कि मरने का इच्छुक व्यक्ति वास्तव में इस हालत में है कि उसे इसकी इजाजत दी जा सकती है। अगर जरूरत पड़ी तो यह डॉक्टर एक्सपर्ट की राय भी ले सकेंगे। इसके बाद एक हाई कोर्ट जज इनमें से कम से कम एक डॉक्टर से बात करेगा और अगर उसे लगता है तो मरने के इच्छुक व्यक्ति से भी सवाल करेगा। इस पूरी प्रक्रिया में 7 से 14 दिन लग सकते हैं। अगर किसी की मृत्यु नजदीक है उसके लिए यह समय 48 घंटे तय किया गया है।

अगर किसी ने दबाव बनाया तो : इस मामले में अगर कोई मरने वाले व्यक्ति पर दबाव बनाने का दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त प्रावधान हैं। ऐसा होने पर उस व्यक्ति को 14 साल तक की जेल हो सकती है। यह बात डॉक्टर तय करेंगे कि जिस व्यक्ति ने मरने की इच्छा जताई है क्या वास्तव में उसकी हालत ऐसी है कि वह छह महीने से अधिक जिंदा नहीं रह सकता है। अगर उसे किसी तरह के इलाज की जरूरत है तो डॉक्टर इसकी भी सलाह दे सकते हैं।

कौन करेगा निगरानी : सांसद किम लीडबीटर के मुताबिक इंग्लैंड एंड वेल्स के चीफ मेडिकल ऑफिसर्स और हेल्थ सेक्रेट्री इस कानून की निगरानी करने के अधिकारी होंगे। बता दें कि पहले भी यहां पर मरने के अधिकार संबंधी विधेयक पेश हो चुके हैं। साल 2015 में भी ऐसे ही एक कानून की चर्चा छिड़ी थी। तब असिस्टेड डाइंग बिल हाउस ऑफ कॉमंस में पेश किया गया था, लेकिन सांसदों ने इसे रिजेक्ट कर दिया। 2021-22 में ऐसा एक बिल हाउस ऑफ लॉर्ड्स तक पहुंचा था। वहीं, जुलाई 2022 और अप्रैल 2024 में भी मरने के अधिकार संबंधी बिल पर चर्चा हो चुकी है।

अपनी शक्ति किसी को न छीनने दें : कमला हैरिस का समर्थकों को संदेश

न्यूयॉर्क, एजेंसी। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने समर्थकों से कहा कि उन्हें अपनी ताकत की रक्षा करनी होगी। अपनी हार स्वीकारने वाली स्पीच के बाद यह उनका अपने समर्थकों के लिए पहला संदेश है। हैरिस ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं आपको बस यह याद दिलाना चाहती हूं कि आप किसी को भी अपनी ताकत को छीनने की इजाजत न दें। हैरिस ने कहा, आपके पास वही शक्ति है जो 5 नवंबर से पहले थी, और आपके पास वही उद्देश्य है जो पहले था।। उन्होंने आगे कहा, इसलिए कभी भी किसी व्यक्ति या हालात को इस ताकत को आपसे छीनने न दें।

चुनावी हार के बाद से हैरिस ने सार्वजनिक आयोजनों से दूर रही हैं। हार के बाद वह हवाई में छुट्टियां मनाने चली गईं और सोमवार को अपने गृह निवास सैन फ्रांसिस्को लौट आईं। डेमोक्रेटिक पार्टी, ने मंगलवार को एक्स और टिकटॉक पर 29 सेकंड का उनका वीडियो संदेश जारी किया। हालांकि यह नहीं बताया कि यह कब और कहां रिकॉर्ड किया गया। बीडियो में बोलते समय कमला हैरिस बेहद भावुक नजर आ रही थी। वह अपनी बात पर जोर देने के लिए हाथों से इशारे भी कर रही थीं।

इससे पहले 6 नवंबर को अपने भाषण में, हार स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा, मैं ऐसे भविष्य के लिए लड़ाई कभी नहीं छोड़ूंगी जहां अमेरिकी अपने सपनों, महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा कर सकें। कमला हैरिस के राजनीतिक भविष्य को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। एक संभावना यह जताई जा रही है कि वह 2026 में कैलिफोर्निया के गवर्नर पद का चुनाव लड़ सकती हैं और गैविन न्यूसम की जगह ले सकती हैं।

न्यूसम का दूसरा कार्यकाल 2027 में समाप्त हो रहा है और वह राज्य के कानून के तहत तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। हालांकि वह इससे उच्च पद पर रह चुकी हैं, लेकिन सबसे अधिक आबादी वाले और सबसे अमीर राज्य के गवर्नर के पास उपराष्ट्रपति की तुलना में वास्तविक रूप से कहीं अधिक शक्तियां होती हैं। न्यूसम खुद 2028 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं।

दूसरी संभावना यह है कि हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए फिर से चुनाव लड़ें, हालांकि उनके खिलाफ दो बातें जाती हैं। 2020 में नामांकन के लिए पार्टी प्राइमरी से बाहर हो गई थीं और इस साल, उन्हें बिना किसी प्रतियोगिता के नामांकन मिला, लेकिन वह डोनाल्ड ट्रंप से हार गईं।

पुतिन बोले- ट्रम्प अभी भी सुरक्षित नहीं:अमेरिका में पहले भी बड़े नेताओं की हत्या हुई, वे होशियार नेता, उम्मीद है अलर्ट होंगे

अस्ताना, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। सीएनएन के मुताबिक पुतिन ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव जीतकर ट्रम्प ने एक बड़ी परीक्षा पास कर ली है, लेकिन अभी भी वे सुरक्षित नहीं हैं। पुतिन ने कहा- ट्रम्प को रोकने के लिए कई गलत तरीके इस्तेमाल हुए। दो बार जानलेवा हमला भी हुआ। अभी भी उन्हें सतर्क रहना होगा। अमेरिकी इतिहास में ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। कई बड़े नेताओं की हत्या हुई। उम्मीद है कि ट्रम्प इसे समझते होंगे। गौरतलब है कि ट्रम्प जुलाई में पेंसिल्वेनिया में भाषण दे रहे थे तब उन पर जानलेवा हमला हुआ था। इसमें वे मामूली तौर पर घायल हुए थे। इसके बाद सितंबर में फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में एक एक शख्स ने उनकी जान लेने की कोशिश की थी, लेकिन वे नाकाम हो गया। पुतिन ने यह भी कहा कि ट्रम्प के परिवार और उनके बच्चों के खिलाफ कई बातें कही गईं। रूस में ऐसा नहीं होता है। यहां बुरे लोग भी परिवार को बीच में नहीं लाते। पुतिन कजाकिस्तान में पत्रकारों से बात कर रहे थे। पुतिन यहां एक डिफेंस समिट में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं। पुतिन बोले- ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ा रहे बाइडेन पुतिन ने यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियारों का रूस में इस्तेमाल करने की अनुमति देने पर कहा- बाइडेन प्रशासन

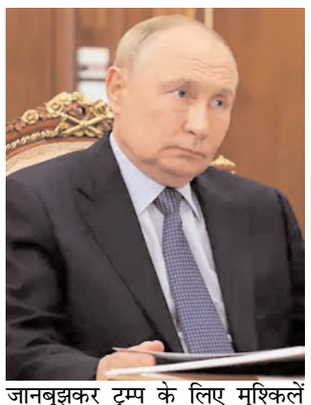

जानबूझकर ट्रम्प के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है। हालांकि ट्रम्प एक 'होशियार राजनेता' हैं जो जंग खत्म करने के लिए कोई न कोई समाधान ढूंढ़ लेंगे। हम भी ट्रम्प से बातचीत के लिए तैयार हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या बाइडेन के फैसले से क्या रूस-अमेरिका के संबंधों पर असर पड़ेगा, पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ट्रम्प के आने के बाद चीजें बेहतर हो सकती हैं। ट्रम्प चुनावी प्रचार के दौरान कई बार यूक्रेन जंग को 24 घंटे में खत्म करने का दावा कर चुके हैं। हालांकि वे इसे कैसे खत्म करेंगे, यह नहीं बताया है। पुतिन ने यूक्रेन पर और ज्यादा 'ओरेश्निक' मिसाइलों से हमला करने की धमकी दी। रूस ने पहली बार 21 नवंबर को यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेश्निक से हमला किया था।

पुतिन ने कीव पर और हमला करने की धमकी दी रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर करीब 200 मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था। इस पर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन की ओर से रूस में लंबी दूरी की एटीएसीएमएस मिसाइलों से किए गए हमले के जवाब में यह हमला किया गया है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि कीव में और हमले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि रूस पहले हमला नहीं करता।

यूक्रेन में 10 लाख लोग बिना बिजली 0 डिग्री तापमान में रहने को मजबूर रूस के हमले के बाद यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हरमन हालुशेंको ने कहा कि देश में ऊर्जा के लगभग सारे साधन ठप पड़ गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन में लगभग 10 लाख लोगों को 0 डिग्री तापमान में बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ी।

हालुशेंको ने कहा कि, यूक्रेन में एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अटैक हो रहे हैं, इस वजह से नेशनल पावर ग्रिड के ऑपरेटर ने इमरजेंसी बिजली कटौती शुरू कर दी है। कीव, ओडेसा, निप्रो और डोनेट्स्क में बिजली सप्लाई में मुश्किल हो रही है। रूस ने फरवरी 2022 के बाद से कई बार यूक्रेन के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है, इस वजह से बार-बार देश भर में इमरजेंसी बिजली कटौती और रोलिंग ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हुई है। यूक्रेन के मुताबिक सिर्फ इस साल रूस ने 11वीं बार एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है।

जानकारी

सोने से पहले पैरों की मालिश करना कई वजहों से फायदेमंद

सिर पर तेल की मालिश लंबे समय से सिरदर्द के इलाज, तनाव को कम करने और थकान के प्रभावी उपचार के लिए एक आसान और बेहतर उपाय है। आज बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, जिनके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। वहीं कुछ लोग एक थका देने वाले सप्ताह के बाद आराम करने के लिए बॉडी मसाज का भी सहारा लेते हैं। चाहे वह त्वचा हो या बाल, विभिन्न प्रकार के तेल हमेशा एक बेहतर इलाज के विकल्प बने रहते हैं। शारीरिक गतिविधियों और व्यस्त कार्यक्रम से पैरों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। दर्द को ठीक करने का सबसे सरल उपचार है कि आप आराम से पैर की मालिश करें। वहीं पैर की मालिश से सिर्फ आपके पैरों को ही आराम नहीं मिलता, बल्कि इसके कई और स्वास्थ्यकारी फायदे भी हैं। नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. निलोफर उस्मान खान नियमित रूप से सोने से पहले 10 से 15 मिनट तक पैरों की मालिश करने के कई फायदे बताती हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

जोड़ों के दर्द के लिए मालिश फायदेमंद

सोने से पहले पैरों की तेल मालिश उन लोगों के लिए बहुत अच्छी है, जो नियमित रूप से जोड़ों में दर्द की शिकायत करते हैं। बस तेल लगाना और दर्दनाक जोड़ों की मालिश करना सबसे अच्छा घरेलू उपाय है, जो कष्टदायी दर्द से तुरंत राहत प्रदान करता है। दर्दनाक जोड़ों पर तेल की मालिश का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे थोड़ा गर्म किया जाए। गुनगुना तेल न सिर्फ जोड़ को मजबूत बनाता है बल्कि दर्द और परेशानी से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से तेल की मालिश हड्डियों में विकृति से छुटकारा पाने के लिए भी एक अच्छा उपाय है। यही कारण है कि नवजात शिशुओं के लिए तेल की मालिश बहुत जरूरी है।

पीएमएस के दौरान मिलता है आराम

पीएमएस यानी कि प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम। यह समस्या लाखों महिलाओं को सताती है। महिलाओं को पता है कि वे पीएमएस के दौरान काफी कर्कश हो जाती हैं। साथ ही उन्हें सोने में परेशानी है और कमर में दर्द का भी सामना करना पड़ता है। पीएमएस की वजह से होने वाले दर्द और कर्कशता से राहत पाने के लिए कोई दवा पर्याप्त नहीं है। पर इसमें पहले पैरों की मालिश काम आ सकती है। इसके लिए आप सरसो के तेल को गर्म करके तलवों में और पैरों में लग सकती हैं। इसके अलावा इसे आप अपनी कमर में भी लगा सकती हैं। इस तरह ये आपको काफी आराम पहुंचाएगा। साथ ही साथ आपका माथा भी ठंडा कर देगा और आप स्ट्रेस फ्री फील करेंगी।

ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है बेहतर

हमारे शरीर में ब्लड कई अंगों को ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। सोने से पहले कुछ मिनट पैर की मालिश करने से आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पैर और तलवों में कई सारे प्रेशर प्लाइंट्स है, जिन्हें तेल मसाज से फायदा मिलता है। इस तरह तेल मसाज करने से आपको कुछ ही समय में तनाव से छुटकारा मिल सकता है। यह न केवल आपको आराम देता है बल्कि नींद को प्रेरित करता है। साथ ही, मांसपेशियों में ऐंठन और थकान की संभावना को कम करने के लिए उचित रक्त परिसंचरण के लिए भी जरूरी है। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आप पाएंगे कि तेल मालिश से आपके पूरे शरीर को आराम मिल रहा है।

लो ब्लड प्रेशर का बेहतर इलाज

शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए, हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। यदि आप उन लोगों में से हैं, जिनका शरीर बहुत जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है, तो अपने ब्लड प्रेशर का ध्यान रखें। कारणों और अन्य कारकों के आधार पर लो ब्लड प्रेशर को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। इन कारकों में मानसिक विकार, खाने के बाद तंत्रिका तंत्र को नुकसान, और यहां तक किसी चीज की कमी के कारण भी अचानक खड़े होने से आपको लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है। ऐसे में सोने से पहले 10 मिनट के लिए अपने पैरों की मालिश करें। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को नियंत्रित करेगा, जिससे एक आरामदायक नींद आएगी और धीरे-धारे आपका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो जाएगा।

माइग्रेन को लेकर आपके मन में हैं ये भ्रम? तो जानें इनके पीछे की सच्चाई

माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों में गंभीर सिरदर्द के साथ-साथ मतली, उल्टी और लाइट के प्रति सेंसिटिविटी के साथ इसे संदर्भित किया जाता है। औसतन लोगों में माइग्रेन का दर्द 4 घंटे से 3 दिनों तक रहता है और कभी-कभी अधिक समय तक के लिए भी बढ़ सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में माइग्रेन आम तौर पर अधिक पाया जाता है। माइग्रेन के कारणों में लाइफ स्टाइल के अलावा भी कई और वजह हैं। वहीं माइग्रेन के कारण मस्तिष्क में परिवर्तन के साथ-साथ परिवारों में चलने वाले जीन से संबंधित भी हो सकते हैं। आप इसे इनहेरीटेड ट्रिगर भी कर सकते हैं, जो आपको थकान, तेज रोशनी, सिरदर्द, मौसम परिवर्तन और अन्य जैसे कई कारणों से माइग्रेन देता है। पर आम लोगों में माइग्रेन से जुड़े कुछ मिथक या कहें कि भ्रम भी हैं। आइए आज हम आपको इन मिथकों से जुड़े कुछ तथ्य भी बताते हैं।

आम लोगों में माइग्रेन को लेकर कई गलतफहमियां भी हैं, जिस पर भरोसा करने से पहले आप उसके पीछे के साइंस और अपने डॉक्टर की राय जरूर जान लें।

माइग्रेन के जुड़े 4 मिथक और उनके पीछे के तथ्य

मिथक 1

सिर्फ सिरदर्द है माइग्रेन

अक्सर लोगों को लगता है कि माइग्रेन सिर्फ एक सिरदर्द है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। दरअसल बहुत से लोगों को लगता है कि माइग्रेन एक तरह का तेज सिरदर्द होता है, जबकि साइंस की मानें, तो माइग्रेन में सिरदर्द सिर्फ एक लक्षण है, जबकि इसके कई और भी लक्षण हैं। सिरदर्द के साथ-साथ, माइग्रेन में मतली, लाइट के प्रति सेंसिटिविटी, एकाग्रता में कठिनाई, चक्कर, कमजोरी, उल्टी और चेतना की हानि का कारण बनता है। माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क में कभी-कभी कार्यात्मक और संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं। इसके अलावा, माइग्रेन की कई और विशेषताएं भी हैं। सिरदर्द विकारों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण ढांचा है, जिसका उपयोग डॉक्टर सिरदर्द के दर्द को मापने के लिए कर सकते हैं और अमेरिकन माइग्रेन फाउंडेशन ने माइग्रेन से पीड़ित लोगों को इसे निर्धारित करने में कई मापदंड बनाए हैं। माइग्रेन सिर दर्द से अलग है, क्योंकि इसकी अवधि, गंभीरता और लक्षण इसे कई और तरह से अलग करते हैं।

मिथक 2

कैफीन ही माइग्रेन का कारण है

हमेशा कैफीन माइग्रेन का कारण नहीं होता है, बल्कि कैफीन कुछ सबसे प्रभावी सिरदर्द दवाओं में पाया जाता है। कई रोगियों के लिए कॉफी या सोडा जैसे कैफीनयुक्त पेय सिर दर्द को कम करने में मदद करता है। आपके लिए कैफीन दैनिक सिरदर्द में भी कारगार साबित हो सकता है। इसके अलावा भी कैफीन के कई और नुकसान हो सकते हैं, माइग्रेन ही अकेला क्यों? दरअसल बात ये है कि सभी को कैफीन से जुड़ी ये कोई भी चीज एक नियमित मात्रा में ही लेनी चाहिए। इसके अलावा अपने बाकी जीवनशैली का ख्याल रखें, क्योंकि कुछ प्रमाण हैं कि बार-बार माइग्रेन होने के पीछे न्यूट्रास्युटिकल कारण हो सकते हैं। इसके अलावा आपके खाने से मिलने वाले कुछ पदार्थों में राइबोफ्लेविन (विटामिन -बी 2) कोएंजाइम और मैग्नीशियम भी कारण हो सकते हैं। इसके लिए किसी भी डॉक्टर या सिरदर्द विशेषज्ञ से पूछें और वे आपको बताएंगे कि इसके इलाज में पूरक आहार को सर्वोत्तम रूप से कैसे और किस तरह से लें।

माइग्रेन से बचने का उपाय

आमतौर पर माइग्रेन को ट्रिगर में अल्कोहल, ग्लूटेन, मोनोसोडियम ग्लूटामेट और हिस्टामाइन युक्त खाद्य पदार्थ, डार्क चॉकलेट आदि शामिल हैं, तो इसे ठीक करने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि हर रोगी के शरीर में भोजन की प्रक्रिया अलग-अलग होती है। माइग्रेन से पीड़ित लोग के लिए सबसे अच्छा उपाय ये हैं, अपने माइग्रेन को ट्रिगर्स करने वाले कारणों को जानें और ज्यादा से ज्यादा उससे बचने की कोशिश करें। इसके साथ ही स्ट्रेस, गलत जीवनशैली और देर रात तक जागने की आदत पर कंट्रोल करने की कोशिश करें।

मिथक 3

केवल महिलाओं और वयस्कों को माइग्रेन होता है

माइग्रेन बच्चों को भी हो सकता है। वास्तव में, पांच साल से छोटे बच्चे माइग्रेन के सिरदर्द का अनुभव कर सकते हैं। वे पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन, एपिसोडिक भ्रम, गंभीर चक्कर आना, एकाग्रता में कठिनाई और अत्यधिक थकान महसूस कर सकते हैं। महिलाओं को माइग्रेन होने की संभावना तीन गुना अधिक होती है, लेकिन पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित होते हैं, जैसे कि 18-20 प्रतिशत महिलाएं, तो 8-10 प्रतिशत पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित हैं। इसलिए किसी विशेष आयु वर्ग और लिंग को किसी भी बीमारी से जोड़ना गलत है।

मिथक 4

माइग्रेन को ठीक करने के लिए लें ज्यादा से ज्यादा दवाइयां

दुर्भाग्य से, व्यक्तिगत तौर पर माइग्रेन के इलाज के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा दवाइयों की मदद लेने के बारे में सोचते हैं। हालांकि ये गलत है। दवाईयां वास्तव में इसे बदतर बना सकती है। माइग्रेन के साथ रहने वाले कुछ लोग 'रिबाउंड सिरदर्द' की शिकायत करते हैं, लेकिन उस घटना के लिए चिकित्सा शब्द 'मेडिकेशन ओवर्यूज सिरदर्द' है। तीव्र माइग्रेन के दर्द का इलाज करने के लिए बहुत अधिक दवा लेने से भविष्य में अधिक लगातार और अधिक गंभीर माइग्रेन के होने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां तक कि इसका इलाज करना और अधिक कठिन हो सकता है।

सेहत

रात में केला खाने से नहीं होता कोई नुकसान

वैसे तो लोग सभी फ्रूट्स को सेहतमंद मानते हैं, लेकिन कुछ फ्रूट्स ऐसे होते हैं, जो हमारे लिए काफी फायदेमंद होते हैं। केला एक ऐसा ही फल है, जो पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में खाया जाता है। केले में बहुत से जरूरी न्यूट्रीएंट्स और विटामिन मौजूद हैं, जो हमारे शरीर में कई तरह की पूर्ति करता है। येलो फ्रूट्स में फाइबर, पोटैशियम, मैगनेशियम, कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं। यह हमारे वजन को कम करने के साथ ही हमारे हार्ट को भी स्वस्थ रखता है, लेकिन कई लोग मानते हैं की केले का रात में सेवन करने से सर्दी और खासी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नींद को और अच्छा बनाने में मददगार है येलो फ्रूट्स

रात में केले का सेवन करने से कोई परेशानी हो सकती है या नहीं इसका कोई साइंटिफिक प्रूफ सामने नहीं आया है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक केले का सेवन रात में करने से कई तरह की दिक्कत हो सकती है। जैसे की सर्दी होना या फिर गला बंद हो सकता है। फ्रूट्स की बात करें तो केला एक ऐसा फ्रूट है, जो भारी मात्रा में हमें स्वस्थ रखने का काम करता है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक, रात में केले का सेवन करना सही नहीं। रात में केले का सेवन करना इसलिए हानिकारक है, क्योंकि रात के समय हमारे शरीर में मैटाबॉलिसम कम होता है जिससे केला हमारे पेट में कई दिक्कतें पैदा करता है।

अध्ययन में इस बात का पता चला कि येलो फ्रूट्स में कई तरह के जरूरी न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो हमारी नींद को और अच्छा बनाने में मदद करता है। इसके अलावा आप अगर नींद के लिए किसी गोली या दवाई का सेवन कर रहे हैं तो आप उन दवाई को छोड़कर रात में पहले केले का सेवन कर सकते हैं। एक केले में लगभग 105 कैलोरी होती है। आप रात में 500 से कम कैलोरी का सेवन करना चाहते हैं तो, दूध के साथ 2 केले खाना आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। अगर आधी रात में मीठा खाने की इच्छा होने लगे तो केला खा लें। केले की मिठास आपकी लालसा को दूर करने में मददगार साबित होती है।

यदि आप शाम के समय में एक्सरसाइज करने के बाद केला खाते हैं, तो लाभदायक होगा। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग मसालेदार फूड ज्यादा खाते हैं। उनके लिए रात में केला खाना फायदेमंद है। दरअसल, ज्यादा मसाले वाली चीजें खाने से सीने में जलन होने लगती है, लेकिन रात में एक केला खाने से जलन की समस्या दूर हो सकती है। इसके साथ ही मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा के कारण केला आसानी से पच जाता है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है।

केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह ब्लड सर्कुलेशन और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में कारगर होता है। केले में खास तरह के प्रोबायोटिक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो खाने से कैल्शियम को मात्रा को सोखते हैं। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाती है और उम्र बढ़ने के साथ ही हड्डियों से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं को भी दूर रखती है। अगर आप फिर भी रात में केले का सेवन नहीं छोड़ना चाहते तो आप उसका सेवन कर सकते हैं, क्योंकि केले का सेवन रात में करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता, लेकिन कभी कभी आपको इसका त्याग करना जरूरी है। आप जब सर्दी, खासी, अस्थमा या फिर वजन कम कर रहे हों तो आपको केले का सेवन छोड़ना होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3367

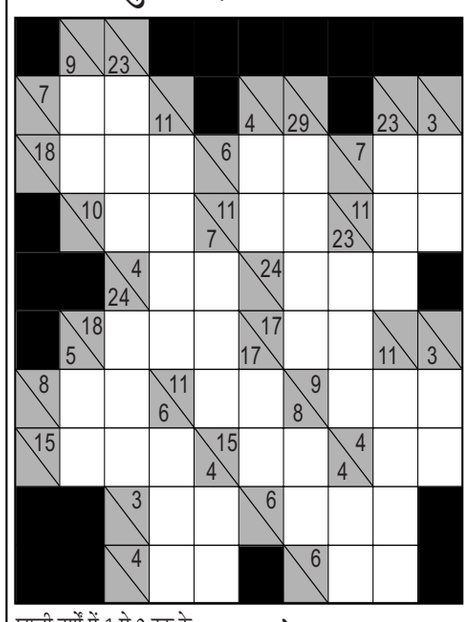

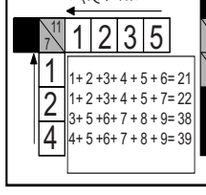

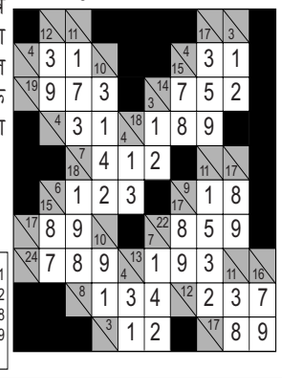

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3366 का हल

हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.
बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?
भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?
'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

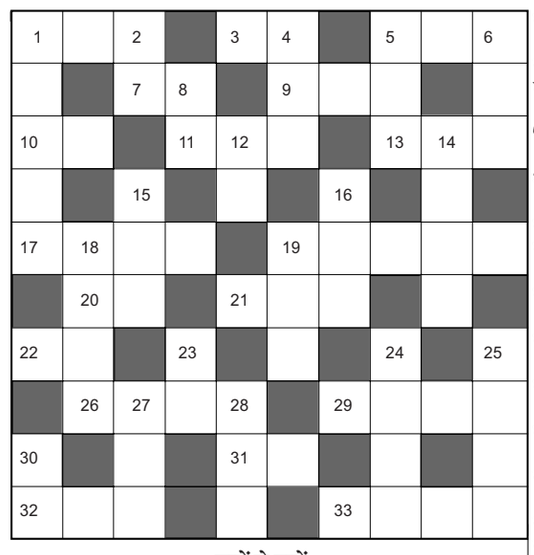

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय, मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'
प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'
दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'
पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.
दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली - 3367

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3266

सूडोकू -3367

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के बॉक्स में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

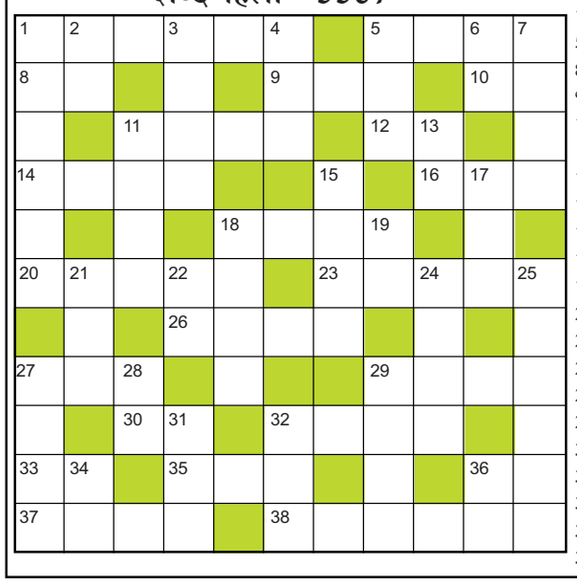

सूडोकू -3366 का हल

शब्द पहेली - 3367

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -3366 का हल

ये काली काली आंखें में अपने किरदार के लिए गुरमीत चौधरी ने घटाया 10 किलो वजन

अभिनेता गुरमीत चौधरी को ये काली काली आंखें के नए सीजन में अपने दमदार किरदार में देखा जा सकता है। अपने इस खास किरदार के लिए अभिनेता ने अपने हेयर स्टाइल से लेकर अपने वजन घटाने पर भी काम किया। सीरीज में इस खास किरदार निभाने को लेकर गुरमीत ने काफी मेहनत की है। अपनी भूमिका में जान डालने के लिए अभिनेता ने सख्त डाइट और हैवी वर्कआउट से अपना लगभग 10 किलो तक वजन घटाया। ये काली काली आंखें में काम करने और अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेता गुरमीत ने कहा, सीरीज में गुरु का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण था। इसके साथ ही यह बेहद रोमांचक भी रहा। मेरे निर्देशक सिद्धार्थ सेनगुप्ता के पास मेरे किरदार के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण था, जिसके लिए मुझे बड़े पैमाने पर तैयारी करनी पड़ी। आगे कहा, मैंने इसके लिए कई एक्टिंग वर्कशॉप में भाग लिया, अपने लंबे बाल छोटे करवाए और वजन घटाने के लिए सख्त डाइट का पालन किया। मनचाहा लुक पाने के लिए मैं रोजाना बांद्रा में दौड़ने जाता था और आखिरकार मैंने 10 किलो वजन कम कर लिया। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में काम करना मेरे लिए बेहद ही एक खास तरह का अनुभव था। मैं इसके लिए सिद्धार्थ सर का आभारी हूं , जिन?होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझमें गुरु के किरदार को देखा। ये काली काली आंखें नेटफ्लिक्स पर एक रोमांटिक क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है जिसे सिद्धार्थ सेनगुप्ता ने बनाया और निर्देशित किया है। इस सीरीज में श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, सूर्या शर्मा, अरुणोदय सिंह और बृजेंद्र काला भी सहायक भूमिकाओं में हैं। इस सीजन में गुरमीत चौधरी की भी एंट्री हुई है, जो पूर्वा का दोस्त है और उसे सुरक्षित घर वापस लाने की कसम खाता है। यह अस्तित्व का एक खतरनाक खेल है, और इस सीजन में गुरमीत चौधरी की दमदार एंट्री के साथ, दांव और भी बढ़ गए हैं। एजस्टॉर्म वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, ये काली काली आँखें सीजन 2, 22 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ। गुरमीत ने 2009 की टेलीविज़न सीरीज़ रामायण में देबिना बनर्जी के साथ राम की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाई। इसमें देबिना ने सीता की भूमिका निभाई थी। अभिनेता ने गीत-हुई सबसे पराई, पुनर्विवाह, झलक दिखला जा, नच बलिए 6, फियर फैक्टर-खतरों के खिलाड़ी (सीजन 5) जैसे शो का हिस्सा ले चुके हैं। बॉलीवुड में गुरमीत की पहली फिल्म 2015 में आई थी।

श्वेता त्रिपाठी की दर्शकों से गुजारिश

महिला केंद्रित कहानियों को कीजिए सपोर्ट

श्वेता त्रिपाठी ने कई फिल्मों और वेब सीरीज में उम्दा काम किया है। इस समय वह अपनी नई वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसमें उन्होंने काफी अलग रोल निभाया है। लेकिन इसके बावजूद वह मानती हैं कि अब भी महिला कलाकारों को उतने अच्छे रोल नहीं मिलते हैं, जितने की मिलने चाहिए। पुरुष कलाकारों को मिलती हैं अच्छी कहानियां हाल ही में एक इंटरव्यू में श्वेता त्रिपाठी कहती हैं कि पुरुष कलाकारों को बेहतर कहानियां मिलती हैं। इसलिए उनकी ख्वाहिश भी पुरुष किरदार निभाने की है। इसके अलावा वह दर्शकों से भी गुजारिश करती हैं कि महिला प्रधान फिल्मों और शो का समर्थन करें।

ये काली काली आंखें 2 के किरदार से खुश

श्वेता त्रिपाठी आगे कहती हैं कि मैं चाहती हूं कि मेरे किरदार एक-दूसरे से अलग हों। वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2में शिखा का किरदार मुझसे बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद ले रही हूं। इस सीरीज की कहानी थ्रिलर वाली है, जिसमें श्वेता के साथ ताहिर राज नजर आ रहे हैं।

मिर्जापुर में किया था दमदार रोल

श्वेता त्रिपाठी ने वेब सीरीज मिर्जापुर में भी गोलू का किरदार निभाया था। इसमें वह काफी दमदार किस्म के किरदार को निभाती हुई दिखीं। दर्शकों ने उनको इस रोल में काफी सराहा। उनके साथ इस सीरीज में कई उम्दा कलाकार भी थे, जिसमें पंकज त्रिपाठी और अली फजल जैसे नाम शामिल रहे।

आगे भी अच्छा काम करेंगी

आगे भी श्वेता का मन अच्छी और बेहतरीन फिल्में करने का है। इस समय तो वह वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 पर ही ध्यान दे रही हैं। वह जानना चाहती हैं कि दर्शक इस सीरीज को कितना पसंद करते हैं। इस वेब सीरीज की सफलता श्वेता के करियर में बहुत ज्यादा ही मायने रखती है।

सामंथा ने बताया कैसे तलाक के बाद ध्वस्त हो गईं जीवन से जुड़ी योजनाएं

सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्या ने साल 2021 में तलाक की घोषणा की थी। दोनों ने साल 2017 में शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया था, लेकिन उनका ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं टिक सका। साल 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया। तलाक के बाद अभिनेत्री ने अनुपमा चोपड़ा के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि जीवन के लिए उनके द्वारा बनाई गईं सभी योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं। अब उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री तलाक को लेकर बात करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, मेरा मतलब है, 2021 में मेरे निजी जीवन में जो कुछ भी हुआ है, उसे लेकर वास्तव में मुझे कोई उम्मीद नहीं थी। मेरी सभी सावधानीपूर्वक बनाई गई योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, इसलिए मुझे कोई उम्मीद नहीं है। भविष्य में मेरे लिए जो कुछ भी है, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं बस इतना जानती हूं कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। अभिनेत्री ने तलाक के बाद हुई आलोचनाओं को लेकर कहा, मेरे बारे में बहुत सी ऐसी बातें कही गईं जो बिल्कुल झूठ थीं। मुझे याद है कि जब चीजें वास्तव में बहुत खराब थीं। मेरे खिलाफ पूरी तरह से झूठ फैलाए जा रहे थे, तब मैंने खुद से यह बातचीत की थी। कई बार ऐसा हुआ जब मैं सामने आकर कहना चाहती थी कि यह सच नहीं है, मैं आपको सच बताती हूं।

तापसी ने शाहरुख के व्यक्तित्व पर की बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को जितनी तारीफें उनकी शानदार अभिनय क्षमता के लिए मिलती हैं, उतनी ही तारीफें उन्हें उनके व्यवहार के लिए मिलती है। हाल में ही शाहरुख के साथ फिल्म डंकी में काम कर चुकीं अभिनेत्री तापसी पन्नू ने उनकी तारीफ की है। उन्होंने किंग अभिनेता की बुद्धिमता, उनकी मौजूदगी आदि चीजों को लेकर बात की है। तापसी ने कहा कि शाहरुख में कुछ ऐसे गुण हैं, जो उनको दूसरों से अलग करते हैं। वो अपने आप में बेजोड़ हैं। तापसी ने डंकी के दौरान शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत कम लोग हैं, जिनकी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति ही नहीं, बल्कि ऑफ-स्क्रीन उपस्थिति भी होती है। वे बहुत पढ़े-लिखे हैं और आपसे कोई भी गहन बातचीत कर सकते हैं। तापसी ने शाहरुख खान को एक संपूर्ण व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि शाहरुख के पास बेहतरीन सेंस ऑफ ह्यूमर है और उनका दिमाग बातचीत के दौरान काफी सक्रिय भी रहता है, जो उन्हें एक संपूर्ण व्यक्ति बनाती है, जो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री के अन्य लोगों से काफी अलग करती है। तापसी पहले ऐसी फिल्मी हस्ती नहीं हैं, जिन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार के व्यक्तित्व की तारीफ की।

तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे बाबिल-कृति

कला और फ्राइडे नाइट प्लान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाले अभिनेता बाबिल खान अब बॉलीवुड में बड़ा धमाल मचाने को तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बाबिल जल्द ही हिट तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। वह इस फिल्म में आनंद देवरकोंडा वाले किरदार को निभाते दिखेंगे। सूत्रों के अनुसार फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री की तलाश अभी जारी है। तेलुगु संस्करण में वैष्णवी चैतन्य की अदाकारी को दर्शकों ने खूब सराहा था। वहीं, हिंदी संस्करण के लिए दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कृति शेट्टी के नाम की चर्चा जोरों पर है। बाबिल और कृति के फिल्म में नजर आने की फिलहाल कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, दोनों ही कलाकारों के एक साथ नजर आने की चर्चा से फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

सुपर 30 में दिख चुकी हैं कृति

माना जा रहा है कि बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए यह फिल्म बाबिल खान के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कृति शेट्टी के लिए भी यह फिल्म बॉलीवुड रास्ते खोलने में कारगर साबित हो सकती है। इससे पहले कृति को सुपर 30 में एक छात्रा की भूमिका में देखा गया था।

द रेलवे मेन से बाबिल ने बटोरी थी सुर्खियां

वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछले साल बाबिल को वेब सीरीज द रेलवे मेन में देखा गया था। इस शो में दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी के बीच बाबिल ने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित इस शो में उन्होंने इमाद रियाज नाम के शख्स की भूमिका निभाई थी। वहीं, कृति को हाल ही में मलयालम फिल्म एआरएम में देखा गया था। यह इस इडस्ट्री में उनकी पहली फिल्म थी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले से मुक्त होंगी जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज का नाम काफी समय से ठग सुकेश चन्द्रशेखर से जोड़ा जाता रहा है। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री ने हमेशा सुकेश के नाम से जुड़े सभी अवैध मामलों से अपने संबंधों से इनकार किया है। इस बीच, अभिनेत्री के वकील ने तर्क दिया है कि जैकलीन सुकेश के अवैध मामलों से अनजान थीं, और उन पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। जैकलीन फर्नांडीज के वकील ने दलील दी है कि उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह पैसे कमाने के उद्देश्य से किसी अपराध का हिस्सा नहीं थीं। फर्नांडीज का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर आरोप पत्र से संबंधित है। अग्रवाल ने आगे तर्क दिया कि फर्नांडीज को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्हें चंद्रशेखर से जो गिफ्ट मिले थे, वे ठगी के पैसे से खरीदे गए थे। उन्होंने कहा, आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता दिखाने के लिए ज्ञान आवश्यक है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने विजय मदनलाल चौधरी के मामले में पिछले फैसले का भी हवाला दिया, जिसका अर्थ है कि जांच के दौरान जब्त की गई सभी संपत्ति आवश्यक रूप से अपराध की आय नहीं है। अग्रवाल ने यह भी तर्क दिया कि एक ही तथ्य पर दो मामले नहीं चलाए जा सकते। उन्होंने कहा कि अदिति सिंह से जबरन वसूली के एक मामले में मकोका के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है और अभिनेत्री उस मामले में गवाह हैं। इसलिए, उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह किसी अपराध सिंडिकेट का हिस्सा नहीं हैं और उन्होंने इससे कोई आर्थिक लाभ नहीं उठाया है।

3 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

एएनआई के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब फर्नांडीज द्वारा उस आरोप पत्र के खिलाफ दायर याचिका में अपनी दलीलें पेश करेगा, जिसमें उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है, जहां ईडी के विशेष वकील की दलीलें सुनी जाएंगी।

इस वजह से मल्लिका शेरावत ने ठुकरा दी 'द रॉयल्स'

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने राजकुमार राव की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी फीमेल लीड के रूप में नजर आईं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें शुरू में नेटफ्लिक्स शो 'द रॉयल्स' का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था। यह एक मॉडर्न इंडियन रोमांटिक कॉमेडी सीरीज है। इस शो में उन्हें ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका के लिए चुना गया था। आइए जानते हैं अभिनेत्री यह ऑफर क्यों ठुकरा दिया था। मल्लिका ने ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका को ठुकराने का कारण भी बताया। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, मुझसे कुछ वादा किया गया था और जो अनुवाद किया गया वह मुझे पेपर पर बहुत ही बेकार लगा। मुझे धोखा और निराश महसूस हुआ, इसलिए मैं इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले मल्लिका की टीम ने बताया, मल्लिका ने प्रोडक्शन टीम के साथ रचनात्मक मतभेदों के कारण फरवरी में इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। भूमिका शुरू में किए गए वादे के अनुरूप नहीं थी। कई चर्चाओं के बाद, उन्होंने आखिरकार इसे छोड़ने का फैसला किया। 'द रॉयल्स' में भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, चंकी पांडे और नोरा फतेही, चंकी पांडे और डिनो मोरिया, विहान समत, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक केनी अभिनेत्री की क्षमता का हुआ कम उपयोग मल्लिका ने यह भी साझा किया कि उन्हें लगता है कि कॉमेडी शैली में उनका कम उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा, लोगों ने अभी भी मेरी क्षमता का उपयोग नहीं किया है। मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मेरी कॉमिक टाइमिंग और मेरी क्षमता का अधिक से अधिक कॉमेडी में उपयोग करें, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना पसंद है। मुझे लगता है कि कॉमेडी में मेरा कम उपयोग किया गया है और मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मुझे अधिक से अधिक कॉमिक भूमिकाएं दे। साथ ही, मैं अब ऐसी भूमिकाएं करना चाहती हूं, जिसमें दम हो।

फौजा के रीमेक पर राज शांडिल्य बोले

दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह पर आधारित फौजा के रीमेक को लेकर निर्माता राज शांडिल्य ने बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है, उन्हें यह फिल्म हिंदी सिनेमा में लाने पर गर्व है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्माता, राज शांडिल्य और विमल लाहोटी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'फौजा' का हिंदी में रीमेक के लिए टीम बनाई है। राज और विमल ने रीमेक के अधिकार हासिल कर लिए हैं। राज शांडिल्य के इस बड़े प्रोजेक्ट का निर्माण उनके बैनर कथावाचक फिल्म्स के तहत किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए शांडिल्य ने कहा, फौजा एक ऐसी कहानी है, जो भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है। मुझे हिंदी सिनेमा में फौजा लाने पर गर्व है। 'फौजा' वास्तव में असाधारण साहस और भावना की कहानी है, जो देश भर के दर्शकों के द्वारा अनुभव की जाने योग्य है। मेरा लक्ष्य भी यही है कि एक ऐसी फिल्म तैयार हो जो हिंदी भाषी दर्शकों के साथ ही सभी को पसंद आए। निर्माता विमल लाहोटी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह व्यक्त किया और कहा, फौजा' उत्कृष्ट क्षेत्रीय सिनेमा को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम प्रभावशाली कहानी कहने में विश्वास करते हैं और फौजा का हिंदी रीमेक असाधारण क्षेत्रीय सिनेमा को दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक कदम है। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। 'फौजा' का हिंदी में निर्माण एक ऐसी कहानी को फिर से बताने का एक अविश्वसनीय अवसर है, जिसने पहले ही कई लोगों के जीवन पर शानदार असर डाला है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011